RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरु

# स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 147 | जयपुर, गुरूवाड़ा, चित्तौड़गढ़ गुरूवार, 26 नवम्बर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

संक्षिप्त समाचार

## हमें सम्मानजनक सीटें चाहिए तीन डिजिट से कम मंजूर नहीं

### सपा को कांग्रेस का अल्टीमेटम, यूपी चुनाव में चरम पर तनाव

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के गुरुवार को लखनऊ में प्रस्तावित संविधान बचाओ यात्रा की तैयारी को लेकर लखनऊ में जुटे पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की सीटों के बंटवारे को लेकर फायर हैं। सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद के बाद अब उत्तर प्रदेश कांग्रेस



कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम का गुस्से वाला बयान सामने आया है। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की सीटों की संख्या पर बात फाइनल होने से पहले ही सपा की उम्मीदवारों की लिस्ट सामने आने पर राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सीटों की घोषणा कभी भी की जा सकती है, लेकिन समाजवादी पार्टी को मौजूदा परिस्थितियों में इससे बचना चाहिए था।

## 19934 करोड़ के प्रस्ताव को कैबिनेट की हरी झंडी

### पांच सेक्टर्स को होगा बड़ा फायदा प्रस्तावों को मिली मंजूरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए टनल बोरिंग मशीन या टीबीएम बेहद जरूरी उपकरण है। अभी इसका आयात करना होता है। आने वाले दिनों में इसका निर्माण भारत में ही होगा। यही नहीं, कंस्ट्रक्शन से जुड़े बड़े इक्विपमेंट भी अब देश में ही बनेंगे। इसके इकोसिस्टम विकसित करने लिए सरकार ने



11,000 करोड़ रुपये की योजना को हरी झंडी दी है। इसके साथ ही चार अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए सरकार ने करीब 20,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव हो हरी झंडी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई कैबिनेट की बैठक में इस आशय का फैसला लिया गया। बैठक के बाद पत्रकारों को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी।

## सरकार ने दलाई लामा को लुटियंस जोन में दिया बंगला

### यह घर पंडित रविशंकर शुक्ल लेन पर विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर हुआ आवंटन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने तिब्बती आध्यात्मिक गुरु 14वें दलाई लामा को नई दिल्ली के लुटियंस इलाके में सरकारी बंगला आवंटित किया है। यह बंगला पंडित

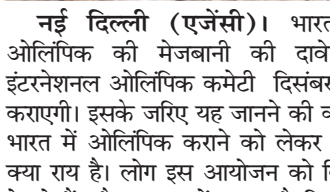

रविशंकर शुक्ल लेन पर स्थित है। दलाई लामा के निजी कार्यालय गादेन फोद्रंग ट्रस्ट को विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर टाइप-7 बंगला दिया गया है। हालांकि, केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस आवंटन पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ऐसे सरकारी आवास आमतौर पर तीन साल के लिए आवंटित किए जाते हैं, जिन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है। यह बंगला दिल्ली में संसद से करीब तीन किलोमीटर दूर है। तिब्बती संसद-इन-एक्साइल ने इस फैसले के लिए भारत सरकार का आभार जताया है। संसद की अध्यक्ष डोलमा त्सेरिंग ने कहा कि यह दलाई लामा और तिब्बती समुदाय के प्रति भारत के समर्थन का महत्वपूर्ण संकेत है।

टैरिफ संग्राम | सस्ते विदेशी सामान से यूएस कंपनियों को नुकसान का आरोप

# भारत-चीन समेत 16 देशों पर टैरिफ बढ़ा सकता है अमेरिका

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका इसी हफ्ते भारत, चीन समेत 16 देशों से आने वाले सामान पर इसी हफ्ते टैरिफ बढ़ा सकता है। आरोप है कि ये देश सरकारी मदद से जरूरत से ज्यादा सामान बना रहे हैं और इन्हें सस्ते दामों पर बेच रहे हैं। इससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो रहा है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर इस मामले में 11 मार्च से चल रही जांच के नतीजे जारी कर सकते हैं। यह जांच 1974 के अमेरिकी व्यापार कानून के तहत हो रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अमेरिका दूसरे देशों के सामान पर अतिरिक्त टैरिफ लगा सकता है। हालांकि, टैरिफ की नई दरें अभी तय नहीं हुई हैं। अमेरिकी ने इसी साल फरवरी में टैरिफ दर 50 से घटाकर 18 फीसदी कर दी थी। साथ ही रूस से तेल इम्पोर्ट के कारण पेनल्टी के रूप में लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ को वापस करने का फैसला भी लिया था।



### जबरन मजदूरी के मामले में भी टैरिफ की तैयारी

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने जुलाई में विदेशी सप्लाई चेन में जबरन मजदूरी को लेकर भी जांच पूरी की थी। कार्यालय के मुताबिक, इस मामले में कई व्यापारिक साझेदार देशों पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया जा सकता है। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। दोनों देशों ने फरवरी में समझौते की रूपरेखा तय की थी। लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले साल लगाए गए टैरिफ रद्द किए जाने के कारण यह बातचीत दोबारा शुरू करनी पड़ी। भारत चाहता है कि उसके सामान पर अमेरिकी बाजार में बांग्लादेश, वियतनाम और कंबोडिया जैसे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले कम टैरिफ लगाया जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर रोक लगाई थी। इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे। प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी।

# ऑपरेशन सिंदूर पर 3-चीनी सैटेलाइट की थी नजर

### दावा-4 दिन भुज, जामनगर और रिलायंस रिफाइनरी की एक्टिविटी देखी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑपरेशन सिंदूर के दौरान



3 चीनी सैटेलाइट भारत के पश्चिमी तट पर लगातार नजर रख रहे थे। इन सैटेलाइट्स ने 4 दिन भुज, नलिया, जामनगर और रिलायंस रिफाइनरी की एक्टिविटी देखी। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में भारतीय स्पेस सर्विलांस और इंटेलीजेंस कंपनी डिगंतारा के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सैटेलाइट्स ने भारत के नौसैनिक और वायुसेना ठिकानों की निगरानी की। पोर्ट और महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल एरिया की भी निगरानी की गई।

# युवाओं को झूठ से है नफरत, वे सच के साथ

● *भागवत बोले- बाहरियों से ज्यादा अंदर के लोगों से खतरा*

### कहा-हम नफरत करने वाले पड़ोसियों के भी हैं मददगार

**छत्रपति संभाजी नगर (एजेंसी)।** आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज के युवाओं को झूठ पसंद नहीं है। वे सच बोलने वालों के साथ खड़े होने को तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि युवा देश को महान बनाना चाहते हैं। युवा पीढ़ी गुलामी की सोच से बाहर निकल चुकी है। मौजूदा समय भारत को बाहरी दुश्मनों से ज्यादा अंदरूनी खतरों से सतर्क रहने की जरूरत है। भागवत बुधवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में पांचवें पद्मा फेस्टीवल के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।



### अगर कोई ईमानदारी से बोलता है, तो युवा उसके साथ

भागवत ने कहा कि भारत की सोच सबसे अलग है। भारत सभी की मदद करना चाहता है, यहां तक कि उन पड़ोसी देशों की भी जो उससे नफरत करते हैं। उन्होंने कहा, अगर भारत आगे बढ़ता है तो ताकतवर देशों की दुकानें बंद हो जाएंगी, क्योंकि भारत सबकी मदद करना चाहता है। भारत मानता है कि ताकत का इस्तेमाल कमजोर लोगों की रक्षा करने और शांति कायम करने के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छे काम करने वाले लोगों से सीखना चाहिए। उनके काम की सराहना करनी चाहिए और उनके काम को आगे बढ़ाना चाहिए।

● विकसित देश भारत की तरक्की में रुकावट डाल सकते हैं- पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका होगी। वे इस लक्ष्य को हासिल करने में सबसे ज्यादा योगदान देंगे और इसका सबसे ज्यादा फायदा भी उन्हें ही मिलेगा। चौहान ने कहा कि मौजूदा वैश्विक सुरक्षा स्थिति संवेदनशील दौर से गुजर रही है। दुनिया में ताकत का संतुलन बदल रहा है। विकसित देश नहीं चाहेंगे कि भारत सफल, विकसित और प्रभावशाली देश बने। ऐसे देश भारत की तरक्की नहीं चाहते हैं।

# प्रणब मुखर्जी ने दी थी बीजेपी में जाने की सलाह

● सीएम शुभेंदु अधिकारी बोले- पूर्व राष्ट्रपति ने की थी चर्चा

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उन्हें टीएमसी छोड़कर प्रधानमंत्री मोदी के साथ आने की सलाह दी थी। उन्होंने मंगलवार को कोलकाता में एक समिट के दौरान यह बात कही। शुभेंदु के मुताबिक, राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे प्रणब मुखर्जी से मिलने राष्ट्रपति भवन गए थे, तब दोनों के बीच यह बातचीत हुई थी। शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि प्रणब मुखर्जी ने उनसे कहा था, सोचिए कि आप



क्या करना चाहते हैं। अगर कर्मचारी बनकर रहना चाहते हैं तो यहीं रहिए। अगर अपने दम पर आगे बढ़ना चाहते हैं तो मोदीजी के साथ रहिए। अधिकारी ने प्रणब मुखर्जी को अपना ओरिजिनल एडवाइजर बताया। उन्होंने कहा कि मुखर्जी उनके अभिभावक की तरह थे। राजनीति से अलग भी हर भारतीय उनका सम्मान करता है। प्रणब मुखर्जी का अगस्त 2020 में निधन हुआ था।

### बातचीत की तारीख बताने से इनकार किया

जब शुभेंदु से पूछा गया कि प्रणब मुखर्जी के साथ यह बातचीत कब हुई थी, तो उन्होंने तारीख बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रणब मुखर्जी अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनके बयान से विवाद हो सकता है, इसलिए वे इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते। शुभेंदु ने प्रणब मुखर्जी की एक और टिप्पणी का जिक्र किया। उनके मुताबिक, मुखर्जी ने पार्टी को बुआ-भतीजे की जोड़ी से चलने वाली पार्टी बताया था। यह टिप्पणी ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के संदर्भ में थी। शुभेंदु अधिकारी पहले ममता बनर्जी के करीबी नेताओं में गिने जाते थे। एक समय उन्हें टीएमसी में ममता के बाद सबसे ताकतवर नेताओं में गिना जाता था। शुभेंदु ने 2009 और 2014 में चुनाव जीता था।

दीपम विवाद | *तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मांगी माफी, कहा-मंदिर ट्रस्ट ने रोका*

# कोर्ट के आदेश के बावजूद स्तंभ पर नहीं जला दीप

### *बीजेपी और हिंदू संगठनों के करीब 300 सदस्यों के खिलाफ केस*

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने के विवाद को लेकर राज्य सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगी। मदुरै कलेक्टर ने कोर्ट में दाखिल हलफनामे में बताया कि सरकार ने दीपथून यानी पत्थर के स्तंभ पर दीप जलाने की पूरी कोशिश की लेकिन देवस्थानम यानी मंदिर प्रशासन ने उसे रोका। सरकार के मुताबिक, मंदिर प्रशासन का कहना था कि दीपथून पर दीप जलाना स्थापित



परंपराओं और धार्मिक रीति-रिवाजों के खिलाफ है। इसलिए दीप केवल उचि पिल्लैयार मंदिर के पास पारंपरिक स्थान पर जलाया गया।

कार्तिगई दीपम विवाद के बीच मंगलवार को बीजेपी और हिंदू संगठनों ने राज्य भर में प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब 300 सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। रामनाथपुरम में हिंदू फ्रंट के सदस्यों ने सड़क जाम कर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने सड़क जाम करने वालों को हिरासत में लिया। पोल्लाची में हिंदू मुन्नानी के सदस्यों ने भी प्रदर्शन किया।

### सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ एक बार दीप जलाने की इजाजत दी थी

तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीपथून यानी पत्थर के स्तंभ पर दीप जलाने को लेकर अरुलमिगु सुब्रमणिया स्वामी मंदिर और सिकंदर बदूशा दरगाह के बीच लंबे समय से विवाद है। मंदिर पहाड़ी के नीचे स्थित है, जबकि दरगाह और दीपथून पहाड़ी पर हैं। हिंदू संगठन दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की मांग करते रहे हैं। वहीं, दरगाह के पास होने के कारण इस मांग का विरोध होता रहा है। पुराने अदालती रिकॉर्ड के मुताबिक, 1862 और 1912 में भी दीपथून पर दीप जलाने की कोशिश हुई थी। दोनों बार अधिकारियों ने इसकी अनुमति नहीं दी। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को इस साल 24 नवंबर को दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की एक बार की अनुमति दी थी। कोर्ट ने कहा था कि मंदिर प्रशासन की टीम अधिकारियों की निगरानी में दीप जलाएगी।

खेल | मकसद यह जानना कि भारतीयों की इवेंट में रुचि है या नहीं, दिसंबर में सर्वे

# भारत में ओलंपिक कराने पर जनता की राय लेगा आईओसी



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की 2036 ओलिंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बीच इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी दिसंबर में देश में सर्वे कराएगी। इसके जरिए यह जानने की कोशिश होगी कि भारत में ओलिंपिक कराने को लेकर आम लोगों की क्या राय है। लोग इस आयोजन को किस नजरिए से देखते हैं और क्या उन्हें लगता है कि ओलिंपिक की मेजबानी से देश में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और खेलों को बढ़ावा मिलेगा। इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया कि यह सर्वे दिसंबर में होगा, लेकिन किस-किस जगह के आईओसी के निर्धारित एजेंसी के लोग सर्वे के लिए जाएंगे, यह गुप्त है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। यह सर्वे भारत की दावेदारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इससे आईओसी को यह समझने में मदद मिलेगी कि देश के लोग ओलिंपिक को लेकर कितने उत्साहित हैं।



### 26 नवंबर को आईओसी के सामने भारत रखेगा दावेदारी के तर्क

2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए सात देशों में भारत भी शामिल है। 26 नवंबर को आईओसी के सदस्य देशों के साथ वर्चुअल कॉन्फ्रेंस होगी। इसमें भारतीय ओलिंपिक संघ (भारत में, खास तौर पर गुजरात में, ओलिंपिक कराने को लेकर अपनी दावेदारी के पक्ष में तर्क रखेगा। इस बैठक में भारतीय खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, गुजरात खेल मंत्रालय और भारतीय ओलिंपिक संघ के अधिकारी शामिल होंगे।

### 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए 7 देश दौड़ में

2036 ओलिंपिक की मेजबानी में भारत के अलावा जर्मनी, हंगरी, कतर, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया और तुर्किये ने रुचि दिखाई है। ये सातों देश आईओसी के साथ शुरुआती बातचीत के दौर में हैं। 26 नवंबर को आईओसी की फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने वर्चुअल प्रेजेंटेशन होगा। इसमें भारतीय ओलिंपिक संघ भारत में, खास तौर पर गुजरात के अहमदाबाद में, ओलिंपिक कराने को लेकर अपनी दावेदारी के पक्ष में तर्क रखेगा। इस बैठक में भारतीय खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, गुजरात खेल विभाग और संघ के अधिकारी शामिल होंगे।

# राहुल की संपत्ति की सीबीआई ईडी से जांच का आदेश रद्द

### सुप्रीम कोर्ट बोला-इलाहाबाद हाईकोर्ट राहुल को सुनने के बाद फैसला करें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राहुल गांधी की जांच का आदेश रद्द कर दिया। यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई और ईडी को दिया था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मामला फिर हाईकोर्ट भेज दिया। हाईकोर्ट अब राहुल गांधी को पक्ष बनाएगा और उनका पक्ष सुनने के बाद नया आदेश देगा। मई में हाईकोर्ट ने बीजेपी कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की शिकायत पर सीबीआई और ईडी को आरोपों की जांच के निर्देश दिए थे। शिशिर ने राहुल गांधी और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ जांच की मांग की थी। राहुल गांधी ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।



# पूर्वी दिल्ली में ट्रैक्टर माफिया का आतंक, सड़कों पर मलबा, डंपिंग से जनजीवन अस्त व्यस्त



**नईदिल्ली, एजेंसी।** यमुनापार में बेलगाम ट्रैक्टर माफिया लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। निर्माण एवं विध्वंस कार्यों से निकलने वाले मलबे को रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों से लाकर खुले स्थानों, सड़क किनारे और फुटपाथ पर अवैध रूप से डंप किया जा रहा है।

हैरानी की बात है कि यातायात पुलिस, स्थानीय पुलिस और संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था इसे रोकने में नाकाम साबित हो रही है। ट्रैक्टर माफिया बेखौफ होकर खाली स्थानों और सड़क किनारे मलबा डाल रहे हैं। स्वामी दयानंद मार्ग से कड़कड़डूमा और आउटर रिंग रोड तक जगह-जगह जमा मलबा न केवल यातायात बाधित कर रहा है, बल्कि राहगीरों की सुरक्षा के साथ स्थानीय लोगों की परेशानी भी बढ़ा रहा है।

स्वामी दयानंद मार्ग पर सड़क के आधे से ज्यादा हिस्से पर मलबे के ढेर लगे हैं, जिससे वाहनों के निकलने की जगह कम हो गई है। राहगीरों का कहना है कि दोपहिया वाहन चालकों को मलबे और धूल के बीच से रास्ता बनाकर गुजरना पड़ता है। कड़कड़डूमा के व्यावसायिक क्षेत्र में खाली भूखंड पर भी मलबा जमा है। मुख्य सड़क और आसपास के रिहायशी इलाकों में इसकी मौजूदगी सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। कांति नगर में सुभाष पार्क के पास मुख्य सड़क के फुटपाथ पर मलबा जमा होने से पैदल राहगीरों की आवाजाही मुश्किल हो गई है।

### दुर्घटना का खतरा बना रहता है...

लोग तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पर चलने को मजबूर हैं। इससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति अधिक जोखिम भरी है। कड़कड़डूमा के दुकानदारों का कहना है कि सड़क पर मलबा फैलने से वाहनों के गुजरने पर दिनभर धूल उड़ती रहती है। इससे दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाहदरा निवासी प्रकाश का कहना है कि रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों से मलबा लाकर जहां खाली जगह मिलती है, वहीं डाल दिया जाता है। सुबह तक मलबे का ढेर लग जाता है। लोगों को रोजाना इस परेशानी से जूझना पड़ रहा है। एमसीडी के उपायुक्त अजहरुद्दीन काजी ने बताया कि लगातार मलबा उठवाया जा रहा है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर मलबा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है। रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों से मलबा डालकर चालक निकल जाते हैं। सुबह रास्ता घिरा मिलता है। जाम और प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ रही है। फुटपाथ पर मलबा जमा होने से पैदल चलना मुश्किल है। धूल और वाहनों के बीच बच्चों व बुजुर्गों को जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ता है।

# दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से राहत, एक्यूआई 228



**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से राहत मिली है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की बात करें, तो यह 228 पर आ गया है। राहत की बात यह है कि पिछले कई दिनों से दिल्ली का एक्यूआई 300 से नीचे है, जिसे राहत के रूप में देखा जा रहा है।

बच्चे, बुजुर्ग और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए यह वातावरण अनुकूल बना हुआ है, जहां एक्यूआई का आंकड़ा 300 के नीचे है। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में इसका ग्राफ और नीचे गिर सकता है।

**प्रशासन की ओर से किए जा रहे कई प्रयास:** उधर, सरकार की ओर से दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए भी कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। राहत की बात यह है कि इन प्रयासों के सकारात्मक नतीजे भी देखने को मिल रहे हैं। यह उसी का नतीजा है कि आज दिल्ली का एक्यूआई इस स्तर पर आ चुका है। आमतौर पर सर्दी के मौसम में एक्यूआई का ग्राफ हमेशा से उठा ही रहता है। जिससे लोगों को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन, इस बार तस्वीर बिल्कुल अलग नजर आ रही है।

**इन कारणों से बढ़ रहा प्रदूषण:** वहीं, अगर दिल्ली में प्रदूषण की बात करें, तो इसके पीछे कई कारण हैं। इस वजह से आज दिल्ली के वातावरण की इस तरह की स्थिति बनी हुई है। सबसे बड़ा कारण पंजाब और हरियाणा के किसानों की ओर से पराली जलाना है। हालांकि, लंबे समय से इन दोनों राज्यों के किसानों को पराली जलाने से रोकने की कोशिश की जा रही है। इसकी जगह पर कोई दूसरा विकल्प तैयार किया जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### प्रीत विहार के कैफे में 22 वर्षीय युवती से गैंगरेप का आरोप, दो महिला समेत 3 गिरफ्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिलाएं महफूज नहीं हैं। आलम यह है कि अब उनके साथ काम करने वाले सहकर्मी ही उनकी आबरू के दुश्मन बन रहे हैं।

ताजा मामला पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार से सामने आया है, जहां एक महिला के साथ उसके सहकर्मियों ने ही सामूहिक दुष्कर्म किया।

सलाखों के पीछे पहुंचे आरोपी

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो लोग अभी-भी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस के अनुसार, पीड़िता एक कैफे में काम करती थी, जहां इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपी भी काम करते थे।

बता दें कि पीड़िता ने सोमवार रात अपने सहकर्मियों के साथ सल्तनत कैफे में आयोजित एक पार्टी में हिस्सा लिया। कैफे बंद होने के बाद भी ये लोग नाचते गाते रहे, चूंकि चाबी इन्हीं के पास थी। इसके बाद सुबह 3:30 बजे ये लोग वहां से निकल गए। वहीं, पीड़िता का आरोप है कि पार्टी में दो लोगों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, जबकि अन्य दो लोगों ने उनकी सहायता की थी।

उधर, पुलिस ने इस मामले को संज्ञान में लेने के बाद चार पुरुषों और दो महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर लिया, जबकि तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को बाकी की तलाश जारी है।

पुलिस का स्पष्ट कहना है कि इस मामले में शामिल आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। महिला को हर हाल में इंसाफ मिलकर रहेगा।

### दिल्ली में राजघाट के पास तेज रफ्तार डंपर ने पैदल यात्री को कुचला, मौके पर मौत; आरोपी ड्राइवर फरार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजघाट के पास देर रात तेज रफ्तार डंपर ने सड़क पार कर रहे एक पैदल यात्री को कुचल दिया।

हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर ड्राइवर वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर दरियागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस के मुताबिक, हादसा देर रात करीब डेढ़ बजे हुआ। डंपर की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, उसकी मौत हो चुकी थी।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

वहीं, मृतक की उम्र और पहचान की जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। पुलिस आसपास के इलाकों में उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इसके लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही हैं। दरियागंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस डंपर के नंबर और ड्राइवर की पहचान करने के साथ उसकी तलाश में जुटी है।

### दिल्ली के राजौरी गार्डन में क्रिकेट सट्टा गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस ने मारा छापा, दो आरोपी चढ़े हत्थे

**नईदिल्ली, एजेंसी।** राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र के सुभाष नगर में पुलिस ने क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

आरोपित एक आवासीय मकान की पहली मंजिल से आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवा रहे थे। पुलिस ने मौके से आठ मोबाइल फोन, एक एचपी लैपटाप और नकदी गिनने की मशीन बरामद की है। लैपटाप में सट्टेबाजी से जुड़ा डाटा मिला है।

क्रिकेट मैच पर चल रहा था सट्टा

पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 21 नवंबर को सुभाष नगर पुलिस चौकी में तैनात हेड कांस्टेबल राहुल को सूचना मिली थी कि सुभाष नगर के मकान नंबर 10/67 और 68 की पहली मंजिल पर क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर चौकी प्रभारी एसआइ अनुज मोर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मकान पर छापा मारा। वहां दो व्यक्ति क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवाते मिले।

# दिल्ली में 47.5 लाख मतदाताओं को दोबारा जोड़ने में बीएलओ के छूट रहे पसीने, किरायेदारों का पता लगाना मुश्किल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में मतदाता सूची की जांच के दौरान मसौदा सूची से हटाए गए 47.5 लाख लोगों को दोबारा जोड़ने की कोशिश में बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को मुश्किल हो रही है। इनमें बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो पुराना घर छोड़कर दूसरी जगह जा चुके हैं।

खासकर किरायेदारों का नया पता और फोन नंबर नहीं मिल पा रहा है। बीएलओ के सामने 30 नवंबर तक ऐसे मतदाताओं को ढूंढकर फार्म पहुंचाने और भरे हुए फार्म वापस लेने की चुनौती है।

**मतदाताओं में ज्यादातर किरायेदार:** बाबरपुर की एक अनधिकृत कॉलोनी में तैनात बीएलओ के मुताबिक, उनके मतदान केंद्र की सूची में करीब 300 ऐसे मतदाता हैं, जिनमें ज्यादातर किरायेदार हैं और मकान खाली कर जा चुके हैं। मकान मालिक भी उनके नए पते की जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। कई लोग यह लिखकर देने को तैयार नहीं हैं कि किरायेदार मकान छोड़ चुके हैं। एक अन्य बीएलओ ने बताया कि कई



मतदाताओं के फोन नंबर गलत हैं या बंद आ रहे हैं। कुछ लोग फोन उठाने के बाद भी जानकारी देने में रुचि नहीं दिखाते। बीएलओ को हर पते पर तीन बार जाने के निर्देश हैं, लेकिन मतदाता नहीं मिल रहे, जिससे फार्म बांटना और लक्ष्य पूरा करना मुश्किल है। शाहीन बाग के एक बीएलओ ने बताया कि उनकी सूची में करीब 400 से 500 मतदाता हैं। शुरुआत में सभी से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन कई लोगों ने जवाब नहीं दिया। उन्हें सोमवार को फार्म मिले और मंगलवार से वितरण शुरू करना है।

### नए पते का ब्योरा क्यों देना जरूरी?

चुनाव कार्यालय के निर्देशानुसार, दिल्ली में ही दूसरी जगह रहने लगे मतदाताओं को भरा हुआ गणना फार्म और नए पते की जानकारी वाला परिशिष्ट-सी जमा करना होगा। इसमें नया पता और विधानसभा क्षेत्र बताना जरूरी है। दस्तावेज उस विधानसभा क्षेत्र के मतदाता पंजीकरण अधिकारी या सहायक अधिकारी को देने होंगे, जहां मतदाता अब रह रहा है। नए मतदान केंद्र के बीएलओ से भी मदद ली जा सकती है।

### घर बैठे कैसे भरें फॉर्म?

चुनाव कार्यालय के मुताबिक, बीएलओ फार्म पहुंचाने के लिए घर जा सकते हैं। फोन नंबर उपलब्ध होने पर वाट्सएप और एसएमएस से भी फार्म भेजे जा सकते हैं। मतदाता चुनाव आयोग की वेबसाइट या ईसीआइनेट एप से भी फार्म डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए पहले वाला मतदाता पहचान पत्र नंबर इस्तेमाल करना होगा। फार्म बांटने और भरे हुए फार्म जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। 10 दिसंबर तक आवेदनों की जांच और निपटारा होगा। दिल्ली की अंतिम मतदाता सूची 22 दिसंबर को जारी होनी है।

# गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर लगेंगे 18 सीसीटीवी कैमरे, आइटीएमएस से जुड़ेगा ट्रैफिक प्रबंधन



**पूर्वी दिल्ली, एजेंसी।** यमुनापार से राजघाट, दरियागंज और मध्य दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालकों को गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से फ्लाईओवर पर 18 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों को इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) से जोड़ने की योजना है।

### यातायात की स्थिति पर रखी जाएगी नजर

इससे फ्लाईओवर और यमुना पुल के आसपास यातायात की स्थिति पर नजर रखी जा सकेगी और जाम, वाहन खराब होने या सड़क पर अन्य बाधाओं की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। गीता कॉलोनी फ्लाईओवर यमुनापार को राजघाट, आइटीओ, दरियागंज और मध्य दिल्ली के अन्य इलाकों से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। रोजाना बड़ी संख्या में वाहन इस रास्ते से गुजरते हैं। व्यस्त समय में किसी वाहन के खराब होने, दुर्घटना या सड़क पर अन्य बाधा के चलते यहां वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। कई बार फ्लाईओवर पर जाम लगने से इसका असर आसपास की सड़कों और संपर्क मार्गों पर भी पड़ता है। ऐसे में कैमरों के जरिए यातायात की निगरानी होने से बाधा की पहचान करने और यातायात पुलिस को मौके पर भेजने में आसानी होगी।

### कैमरों से मिलेंगी लाइव तस्वीरें

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार कैमरों से फ्लाईओवर और यमुना पुल के विभिन्न हिस्सों की लाइव तस्वीरें मिल सकेंगी। इससे जाम की स्थिति, वाहनों की आवाजाही और सड़क पर किसी तरह की बाधा का पता समय रहते लगाया जा सकेगा। संबंधित एजेंसियां निगरानी के आधार पर यातायात को नियंत्रित करने और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था करने में सक्षम होंगी। यह व्यवस्था दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर तकनीक आधारित यातायात प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में भी अहम होगी। जाम की स्थिति में वाहनों के लंबे समय तक खड़े रहने से होने वाले प्रदूषण को कम करने और व्यस्त मार्ग पर यातायात सुचारु बनाए रखने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

# दिल्ली में निजी जमीन पर पेड़ काटने के नियमों में बदलाव

## 5 प्रजातियों को मिली छूट; ट्रांजिट परमिट से राहत



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली सरकार ने प्राइवेट जमीन पर लगे 5 तरह के पेड़ों को काटने के नियम आसान कर दिए हैं। अब इन पेड़ों को काटने के लिए पहले से इजाजत नहीं लेनी होगी। इसको लेकर सरकार ने गजट नोटिफिकेशन जारी किया है।

जिन 5 प्रजातियों को छूट दी गई है, उनमें पॉपलर, सफेदा (यूकेलिप्टस), सहजन (मोरिंगा), गमारी और मालाबार नीम शामिल हैं। सरकार के मुताबिक, प्राइवेट जमीन पर लगे इन पेड़ों को काटने, हटाने या निपटाने के लिए दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम के तहत इजाजत की जरूरत नहीं होगी। साथ ही इनके बदले में दूसरा पेड़ लगाने का नियम भी लागू नहीं होगा।

**क्यों लिया गया फैसला?-** सरकार का कहना है कि लोगों को अपनी ही जमीन पर पेड़ काटने की इजाजत लेने में काफी दिक्कत हो रही थी। इस वजह से लोग पेड़ लगाने से भी कतराने लगे थे। गजट नोटिफिकेशन में कहा गया है कि प्राइवेट जमीन पर तेजी से बढ़ने वाली और कमर्शियल प्रजातियों के पौधारोपण को इजाजत की प्रक्रिया की वजह से बढ़ावा नहीं मिल पा रहा था। इसी को देखते हुए दिल्ली वृक्ष संरक्षण (एग्रो-फॉरेस्ट्री और छूट प्राप्त पौधारोपण प्रजातियां) नियम, 2026 लाया गया है। ड्राफ्ट पर जुलाई में जनता से सुझाव मांगे गए थे और 1 अक्टूबर को फाइनल नोटिफिकेशन जारी किया गया।

### कहां लागू होगा नियम?

यह नियम सिर्फ दिल्ली की प्राइवेट जमीन पर लागू होगा। जंगल, रिज एरिया, डीम्ड फॉरेस्ट या जहां पेड़ काटने पर किसी कानून या कोर्ट के आदेश से रोक है, वहां यह छूट नहीं मिलेगी। इन प्रजातियों से मिलने वाली लकड़ी को दिल्ली के अंदर या बाहर ले जाने के लिए भी ट्रांजिट परमिट की जरूरत नहीं होगी।

### 10 से ज्यादा पेड़ काटने पर क्या होगा?

10 तक पेड़ काटने के लिए मालिक को रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और पेड़ों की जियो-टैग फोटो अपलोड करनी होगी। अगर कोई आपत्ति नहीं होगी तो 7 दिन में इजाजत मिल जाएगी। 10 से ज्यादा पेड़ काटने पर ट्री ऑफिसर 14 दिन में मौके पर जांच करेंगे और 3 हफ्ते में इजाजत देंगे। आपत्ति सिर्फ नियम, कानून या कोर्ट के आदेश के उल्लंघन पर ही मानी जाएगी। सरकार का दावा है कि इससे ग्रीन कवर बढ़ेगा, कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ेगी और प्राकृतिक जंगलों पर दबाव कम होगा।

### पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने जताई चिंता

वहीं, ट्री एक्टिविस्ट भव्रीन कंधारी ने इस फैसले पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली साफ हवा के लिए तरस रही है, तब पेड़ काटना आसान करने के बजाय सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि अधिकारी कैसे जांचेंगे कि काटे जा रहे पेड़ वाकई कमर्शियल पौधारोपण के हैं या पुरानी हरियाली को छूट की आड़ में साफ किया जा रहा है।

# दिल्ली के गांधी नगर पुश्ता रोड पर अतिक्रमण से भीषण जाम, लोग परेशान



**नईदिल्ली, एजेंसी।** गांधी नगर के पुश्ता रोड पर अतिक्रमण के चलते मंगलवार को दिनभर जाम की स्थिति बनी रही।

दोपहर करीब 12 बजे से शाम चार बजे तक वाहन रेंगते रहे। इस दौरान जाम में एक एंबुलेंस भी फंस गई। लेकिन, मौके पर यातायात पुलिस की पर्याप्त मौजूदगी नहीं दिखी। एक यातायात पुलिसकर्मी जाम खुलवाने में जुटा रहा। लेकिन, सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से समस्या बनी रही।

**वाहनों की आवाजाही प्रभावित..:** पुश्ता रोड पर सड़क किनारे अतिक्रमण और अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। मंगलवार को भी सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ने के साथ जाम की स्थिति बन गई। दोपहर में लगे लंबे जाम के दौरान एंबुलेंस के फंसने से यातायात व्यवस्था पर सवाल उठे। मौके पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मी चालान काटता दिखाई दिया। अतिक्रमण के कारण सड़क पर जगह कम होने से वाहन धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहे।

**अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जरूरी..:** जाम में फंसे अमित सिंह ने बताया कि सड़क पर अतिक्रमण के कारण अक्सर जाम लगता है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए केवल जाम खुलवाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई जरूरी है। इस संबंध में पूर्वी रेंज की डीसीपी ट्रैफिक श्वेता चौहान से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन का जवाब नहीं दिया।

### दिल्ली के ओखला में इंस्पेक्टर को महिला संग डांस करना पड़ा महंगा, शीर्ष अधिकारियों ने किया लाइन हाजिर

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर का महिला के साथ डांस करते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद विभाग में मामला चर्चा में आ गया।

वीडियो में दिख रहे इंस्पेक्टर की पहचान लाजपत नगर थाने में अतिरिक्त थाना प्रभारी (एटीओ) के पद पर तैनात अमित प्रकाश के रूप में हुई है। 20 सेकेंड के इस वीडियो में वह एक महिला के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया और मंगलवार को उन्हें लाइन हाजिर कर दिया। उन्हें देर रात पुलिस लाइन में रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, यह वीडियो रोहिणी में आयोजित एक जन्मदिन समारोह का है। समारोह इंस्पेक्टर अमित प्रकाश के एक दोस्त का बताया जा रहा है। वीडियो में इंस्पेक्टर सादे कपड़ों में महिला के साथ डांस करते दिखाई दे रहे हैं। उनके आसपास समारोह में शामिल अन्य लोग भी मौजूद हैं। वीडियो में दोनों डांस करते हुए अलग-अलग अंदाज में नजर आते हैं। समारोह के दौरान किसी ने इसका वीडियो बना लिया, जो मंगलवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। वीडियो प्रसारित होने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तक मामला पहुंचा। अधिकारियों ने इसका संज्ञान लेते हुए इंस्पेक्टर अमित प्रकाश को लाइन हाजिर करने का आदेश जारी कर दिया। उन्हें अगले आदेश तक पुलिस लाइन में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

## भीलवाड़ा जिला प्रमुख की कुर्सी पर कैलाश चंद्र मीणा का कब्जा

# 31 मत हासिल कर सुखालाल को 17 वोटों से हराया, मांडलगढ़-बिजौलियां क्षेत्र में खुशी की लहर...

**सभी 45 जिला परिषद सदस्यों ने किया मतदान; अनारक्षित सीट पर एसटी वर्ग से आने वाले पूर्व प्रधान मीणा को उतारने का कांग्रेस का दांव सफल, गुरुवार को होगा उप प्रमुख का चुनाव**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा/मांडलगढ़ ।** पंचायती राज आम चुनाव-2026 के तहत भीलवाड़ा जिला प्रमुख पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया बुधवार (25 नवंबर) को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न हुई। निर्वाचन में इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी एवं पूर्व प्रधान कैलाश चंद्र मीणा जिला प्रमुख निर्वाचित हुए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू ने बताया कि जिला प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए जिला परिषद के सभी 45 सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।





**45 में से 31 मत मिले, 17 वोटों के अंतर से दर्ज की जीत**

मतगणना में कांग्रेस के कैलाश चंद्र मीणा के पक्ष में 31 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सुखालाल को 14 मत मिले। इस प्रकार कैलाश चंद्र मीणा ने सुखालाल को 17 मतों के अंतर से पराजित कर जिला प्रमुख पद पर जीत हासिल की। जीत की खबर मिलते ही मांडलगढ़-बिजौलियां क्षेत्र सहित जिलेभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत गुरुवार (26 नवंबर) को जिला परिषद के उप प्रमुख पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

**मांडलगढ़-बिजौलियां क्षेत्र का दबदबा, चौंकाने वाला दांव रहा सफल**

जिला प्रमुख पद पर पूर्व में शिवचरण माथुर, हफीज मोहम्मद, कमला धाकड़, रतन लाल भील, कन्हैयालाल धाकड़ और शक्ति सिंह हाड़ा जैसे नामों के बाद एक बार फिर मांडलगढ़-बिजौलियां विधानसभा क्षेत्र का प्रभाव दिखाई दिया है। कांग्रेस ने जिला प्रमुख की अनारक्षित सीट पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग से आने वाले पूर्व प्रधान एवं खनन व्यवसायी कैलाश मीणा को उम्मीदवार बनाकर दांव खेला था, जो सफल रहा। पंचायत स्तर पर काम करने का अनुभव और क्षेत्रीय सक्रियता उनकी ताकत मानी जा रही है।

**भीलवाड़ा जिला प्रमुख निर्वाचन 2026 : मुख्य बिंदु**

निर्वाचित जिला प्रमुखः कैलाश चंद्र मीणा (कांग्रेस) – कुल 45 में से 31 मत प्राप्त हुए।

निकटतम प्रतिद्वंद्वी व अंतरः भाजपा प्रत्याशी सुखालाल को 14 मत मिले; कैलाश मीणा 17 मतों से विजयी रहे।

प्रशासनिक व्यवस्थाः जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में शांतिपूर्ण व पारदर्शी मतदान संपन्न।

अगला चरणः गुरुवार, 26 नवंबर को जिला परिषद उप प्रमुख पद के लिए होगा निर्वाचन।

**संगठन की एकजुटता व ग्रामीण विकास की उम्मीदें**

इस जीत को जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच नए उत्साह के रूप में देखा जा रहा है। इस सफलता में ग्रामीण जिलाध्यक्ष रामलाल जाट, पूर्व विधायक धीरज गुर्जर, पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह, पूर्व प्रधान गोपाल मालवीय और प्रद्युम्न सिंह (हैप्पी बन्ना) की सक्रिय भूमिका की चर्चा रही। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद कैलाश मीणा से जिले के सभी 45 जिला परिषद वार्डों में ग्रामीण विकास, सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की अपेक्षाएं जुड़ी हैं।

## टोंक जिला परिषद में जिला प्रमुख पद पर अलका बैरवा निर्वाचित-कांग्रेस ने दर्ज की जीत, बधाई देने वालों का लगा तांता

स्मार्ट हलचल

**टोंक।** पंचायत राज चुनाव के बाद जिला परिषद के जिला प्रमुख पद के निर्वाचन परिणाम की बुधवार, 25 नवंबर 2026 को आधिकारिक घोषणा कर दी गई। निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर टोंक टीना डाबी द्वारा जारी परिणाम के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी अलका बैरवा जिला प्रमुख पद पर निर्वाचित घोषित की गई हैं। जारी निर्वाचन परिणाम के मुताबिक जिला प्रमुख पद के चुनाव में अलका बैरवा को कुल 26 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी प्रियंका बैरवा को 5 मत मिले। इस प्रकार कुल 31 मत डाले गए। इनमें कोई भी मत निरस्त नहीं हुआ और नोटा के पक्ष में भी कोई मत नहीं पड़ा। निर्वाचन परिणाम की आधिकारिक घोषणा के साथ ही अलका बैरवा के जिला प्रमुख निर्वाचित होने की पुष्टि हो गई। इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को 26 मत तथा भाजपा प्रत्याशी को 5 मत प्राप्त हुए।



## नीलगाय का बछड़ा अचानक वैन के सामने आया, अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलटी वैन

**किराना सामान सप्लाई करने जा रहा था चालक, बाल-बाल बचा, ग्रामीणों ने वैन सीधी कर घर पहुंचाई।**

स्मार्ट हलचल

**खामोर** क्षेत्र के बहका खेड़ा और गोवर्धनपुरा के बीच नवनिर्मित एमडीआर सड़क पर अचानक नीलगाय का बछड़ा सामने आ जाने से किराना सामान से भरी एक वैन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गई। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया।



गनीमत रही कि दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।जानकारी के अनुसार देवरिया से एक युवक वैन में किराना सामान लेकर खामोर की तरफ सप्लाई करने आ रहा था। इसी दौरान बहका खेड़ा और गोवर्धनपुरा के बीच अचानक नीलगाय का बछड़ा वैन के सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक वैन पर नियंत्रण खो बैठा और वैन सड़क से नीचे उतरकर पलट गई।जानकारी के अनुसार देवरिया से एक युवक वैन में किराना सामान लेकर खामोर की तरफ सप्लाई करने आ रहा था। इसी दौरान बहका खेड़ा और गोवर्धनपुरा के बीच अचानक नीलगाय का बछड़ा वैन के सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक वैन पर नियंत्रण खो बैठा और वैन सड़क से नीचे उतरकर पलट गई।हादसे के बाद चालक सुरक्षित वैन से बाहर निकल आया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने सहयोग करते हुए पलटी हुई वैन को सीधा करवाया। इसके बाद चालक वैन को लेकर घर पहुंचा। दुर्घटना में चालक को कोई चोट नहीं आई, हालांकि वैन क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि एक बड़ा हादसा टल गया।

## नाहरी गांव के रास्ते बदहाल, जगह-जगह कीचड़; कहीं जगह एक से दो फीट गहरे गड्ढे, ग्रामीण परेशान,

**ओवरलोड बजरी से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से सड़कों को नुकसान पहुंचने का आरोप, नवनिर्वाचित सरपंच व जनप्रतिनिधियों से सड़क एवं नाली निर्माण करवाने की उम्मीद**

**टोंक/अलीगढ़।** उनियारा उपखंड एवं पंचायत समिति क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पाटोली के नाहरी गांव में इन दिनों मुख्य मार्ग सहित गली-मोहल्लों के आम रास्तों की हालत बदहाल बनी हुई है। गांव में नालियों का अभाव, पुरानी क्षतिग्रस्त नालियां तथा पानी की समुचित निकासी व्यवस्था नहीं होने के चलते जगह-जगह कीचड़ जमा है। वहीं, सड़कों पर कई स्थानों पर एक से दो फीट तक गहरे गड्ढे हो गए हैं। ऐसे में ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों एवं युवाओं का आरोप है कि नाहरी गांव के रास्तों से दिन-रात रोजाना करीब 40 से 50 ओवरलोड बजरी से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां गुजरती हैं। भारी वाहनों के लगातार आवागमन के चलते गांव की सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं। वहीं, पहले से बदहाल रास्तों पर जमा कीचड़ एवं गहरे गड्ढों के कारण राहगीरों के साथ दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है।



**नाली व पानी निकासी की व्यवस्था का अभाव**

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सड़क निर्माण के साथ-साथ पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था भी जरूरी है। नालियां नहीं होने और पुरानी नालियों के क्षतिग्रस्त होने से गंदा पानी रास्तों में फैल जाता है। इससे आमजन को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। बारिश के दौरान हालात और भी बदतर हो जाते हैं।

**नवनिर्वाचित सरपंच व सीआर से समाधान की उम्मीद**

इस संबंध में ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत पाटोली की नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती लाड़ देवी राकेश मीणा व पंचायत समिति सदस्य कमोद अमृत लाल मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों से गांव की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने मुख्य सड़क एवं गली-मोहल्लों के रास्तों का नए सिरे से निर्माण करवाने, आवश्यकतानुसार ग्रेवल एवं सीसी सड़क बनवाने तथा पानी की समुचित निकासी के लिए नई नालियों का निर्माण करवाने की मांग उठाई है। अब ग्रामीणों की निगाहें नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत प्रशासन पर टिकी हैं। देखना होगा कि गांव की बदहाल सड़कों, कीचड़ एवं जल निकासी की समस्या के समाधान को लेकर पंचायत स्तर पर कब तक ठोस कदम उठाए जाते हैं।

## 17 साल तक फैक्ट्री में दी सेवा, मौत के बाद पांच बच्चों के भविष्य पर संकट; 50 लाख मुआवजे की मांग

**संगम इंडिया लिमिटेड यूनिट-2 सरेरी के गेट पर एम्बुलेंस में शव रखकर बैठे परिजन, बोले- मांगें पूरी होने तक नहीं हटेंगे; गुलाबपुरा सीआई पुलिस जाप्ते के साथ मौजूद**

स्मार्ट हलचल

**रायला।** संगम इंडिया लिमिटेड यूनिट-2 सरेरी में 17 साल तक सेवा देने वाले गार्ड की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। ईरास निवासी पुखराज जाट (50) फैक्ट्री में कॉलोनी इंचार्ज के रूप में गार्डन की देखरेख और सुरक्षा ड्यूटी कर रहे थे। ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल रायला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।



**17 साल की सेवा, पीछे छोड़ गए पांच बच्चे**

पुखराज जाट पिछले 17 वर्षों से संगम फैक्ट्री में गार्ड के रूप में सेवाएं दे रहे थे। उनके परिवार में पांच बच्चे हैं। परिवार की जिम्मेदारी और बच्चों के पालन-पोषण का पूरा भार उन्हीं पर था। उनकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अब पांच बच्चों के भविष्य और परिवार के भरण-पोषण को लेकर संकट खड़ा हो गया है।

**50 लाख की सहायता की मांग पर अड़े परिजन**

घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिवारजन एवं ग्रामीणों ने फैक्ट्री प्रबंधन से 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने तथा बच्चों के पालन-पोषण और परिवार के भरण-पोषण की उचित व्यवस्था करने की मांग उठाई। इसी मांग को लेकर परिजन संगम मिल के मुख्य गेट के बाहर एम्बुलेंस में शव रखकर बैठ गए। परिजनों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता, तब तक वे शव लेकर यहां से नहीं हटेंगे।

**पुलिस की समझाइश जारी**

सूचना पर गुलाबपुरा सीआई संजय गुर्जर पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारी परिजनों से बातचीत कर मामले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने और समझाइश के प्रयास में जुटे हैं। समाचार लिखे जाने तक फैक्ट्री गेट पर गतिरोध बना हुआ था।

## मालासेरी कि नवनिर्वाचित सरपंच देऊ देवी गुर्जर ने पदभार ग्रहण किया

स्मार्ट हलचल

**आसींद** जिले के आसींद तहसील ग्राम पंचायत मालासेरी डुगरी भगवान विष्णु के अवतार देवनारायण भगवान की पूजा अर्चना कर सरपंच देऊ देवी ने बुधवार को नवनिर्वाचित सरपंच ने पदभार ग्रहण किया। सुबह पंचायत भवन पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने नवनिर्वाचित सरपंच देऊ देवी गुर्जर का स्वागत किया। समाजसेवी सांवरलाल गुर्जर ने ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए ग्राम पंचायत में विकास कार्यों व जनसमस्याओं के समाधान तथा गांव में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करने की बात कही। इस दौरान ग्रामीणों ने भी पंचायत के विकास कार्यों में सहयोग देने का भरोसा दिलाया। उपसरपंच पुखराज गुर्जर ने कहा कि जनहित और बुनियादी समस्याओं के समाधान तो प्राथमिकता देने की अपील गाँव की देवतुल्य जनता को मेरा सादर प्रणाम ! आप सभी के अटूट विश्वास, प्रेम और आशीर्वाद से सरपंच के रूप में आपकी सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।गाँवो की एकता और विश्वास की जीत है। आपने जिस उम्मीद और भरोसे के साथ मालासेरी ग्राम वासियों ने सरपंच पद कि जिम्मेदारी सौंपी है, मैं उस पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा से खरी उतरने का वचन देती हूँ! आप सभी ग्रामवासियों का हृदय की गहराइयों से बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार, इसी मौके पर,सरपंच देऊ देवी गुर्जर समाज सेवी सांवरलाल गुर्जर, उप सरपंच पुखराज गुर्जर, वार्ड पंच कैलाश प्रजापति , वार्ड पंच,डालू मेघवशी,ककु देवी गुर्जर, मोहनलाल गुर्जर, नर्मदा प्रजापति, मेमा देवी गुर्जर, धर्मी देवी भील, हेमराज गुर्जर पदभार ग्रहण में कई ग्रामीण मौजूद रहे



### कोठाज चारभुजानाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, महाआरती के बाद हुए छप्पन भोग के भव्य दर्शन

## दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालु, जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर; ग्रामवासियों और कार्यकर्ताओं ने संभाली व्यवस्थाएं

स्मार्ट हलचल

**आकोला ।** कोठाज स्थित श्री चारभुजानाथ मंदिर में छप्पन भोग महोत्सव धार्मिक श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित हुआ। महोत्सव में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। दूर-दराज के गांवों एवं क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त भगवान चारभुजानाथ के दर्शन करने पहुंचे। महोत्सव के दौरान विधि-विधान से भगवान चारभुजानाथ की भव्य महाआरती की गई। इस दौरान मंदिर परिसर भगवान के जयकारों से गूंज उठा। महाआरती के पश्चात भगवान को अर्पित छप्पन भोग की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। भक्तों ने भगवान के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक आयोजन के साथ मंदिर परिसर में मेले का भी आयोजन हुआ, जिसमें पहुंचे श्रद्धालुओं ने खरीदारी और अन्य गतिविधियों का आनंद लिया। दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही और चहल-पहल बनी रही। आयोजन के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। महोत्सव की व्यवस्थाओं में ग्रामवासियों, मंदिर से जुड़े कार्यकर्ताओं एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। श्रद्धालुओं की सुविधा, दर्शन व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं ने संभाली। वहीं पारोली थाना पुलिस ने भी मेले के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग दिया। ग्रामवासियों और पुलिस प्रशासन के समन्वय से छप्पन भोग महोत्सव शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और परंपराओं के प्रति समर्पण का संदेश दिया।



## नाहरी गांव में बजरी माफिया के आतंक से ग्रामीण परेशान,बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से गर्भवती गाय की मौत का आरोप

**अवैध बजरी परिवहन पर रोक लगाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने अलीगढ़ थानाधिकारी के नाम सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी**

***आबादी क्षेत्र से दिन-रात तेज रफ्तार में गुजर रहे ओवरलोड वाहन, अलीगढ़ थाना क्षेत्र में प्रतिदिन 70 से 80 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां निकलने का दावा; अकेले नाहरी गांव से 40 से 50 वाहनों की आवाजाही का आरोप, महिलाओं-बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा पर उठे सवाल***

स्मार्ट हलचल

**टोंक/अलीगढ़।** जिले के उनियारा सर्किल अंतर्गत अलीगढ़ थाना क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बजरी से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की तेज रफ्तार और आबादी क्षेत्र से बेरोकटोक आवाजाही अब ग्रामीणों के लिए परेशानी ही नहीं, बल्कि जानलेवा खतरा बनती जा रही है। मंगलवार रात्रि को नाहरी गांव में बजरी से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से तीन माह की गर्भवती गाय की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों एवं युवाओं में बजरी परिवहन करने वालों तथा जिम्मेदार विभागों के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि नाहरी गांव से प्रतिदिन करीब 40 से 50 बजरी से भरे ओवरलोड एवं तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली आबादी क्षेत्र से गुजरते हैं। वहीं अलीगढ़ थाना क्षेत्र में दिन-रात मिलाकर करीब 70 से 80 या इससे अधिक बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही होने का दावा किया जा रहा है। इन वाहनों के चालक आबादी क्षेत्र में भी रफ्तार कम नहीं करते, जिससे हर समय दुर्घटना एवं जनहानि का अंदेशा बना रहता है।



**112 पर शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप**

ग्रामीणों एवं युवाओं ने बताया कि बजरी से भरे वाहनों की तेज रफ्तार और अवैध परिवहन को लेकर कई बार पुलिस के आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 पर शिकायत की जा चुकी है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसी के चलते मंगलवार रात्रि को सड़क किनारे बैठी तीन माह की गर्भवती गाय को तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि जब बेजुबान पशु भी इन वाहनों से सुरक्षित नहीं हैं तो आबादी क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की सुरक्षा का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते इन वाहनों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है।

**ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर सौंपा ज्ञापन**

घटना से आक्रोशित ग्रामीण एवं युवा पंचायत समिति सदस्य कमोद देवी मीणा के प्रतिनिधि अमृतलाल मीणा के नेतृत्व में जसराम मीणा, मायाराम जाट, रामरेश मीणा, गीताराम, सोहनलाल, रोबिन, सूरजकरण, प्रभुलाल मीणा, दीपक, सीताराम, सुनील गौतम, पप्पू सहित अन्य ग्रामीण बुधवार सुबह अलीगढ़ थाने पहुंचे। ग्रामीणों ने थानाधिकारी के नाम सहायक उप निरीक्षक रामचंद्र चौधरी को ज्ञापन सौंपकर नाहरी गांव सहित अलीगढ़ थाना क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन पर तत्काल रोक लगाने, गाय को टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक एवं जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा गाय के पीड़ित मालिक प्रभुलाल पुत्र सुवालाल मीणा निवासी नाहरी को उचित आर्थिक मुआवजा दिलवाने की मांग की।

**कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी**

ज्ञापन देने पहुंचे नाहरी गांव के युवाओं एवं ग्रामीणों ने मीडिया के सामने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पुलिस एवं संबंधित जिम्मेदार विभागों ने अवैध बजरी परिवहन पर शीघ्र प्रभावी रोक नहीं लगाई और आबादी क्षेत्र में तेज रफ्तार से दौड़ते बजरी वाहनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो समस्त ग्रामीण एवं युवा एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे तथा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इसकी समस्त जिम्मेदारी पुलिस एवं प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी जनहानि का इंतजार करने के बजाय समय रहते अवैध बजरी परिवहन पर अंकुश लगाया जाए तथा आबादी क्षेत्र में वाहनों की रफ्तार नियंत्रित करवाकर आमजन एवं बेजुबान पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

## कार्तिक पूर्णिमा महापर्व पर शाहपुरा नृसिंहद्वारा कुण्ड पर दीपदान कार्यक्रम संपन्न

**ऐतिहासिक नृसिंहद्वारा कुण्ड को 551 दीपकों से सजाया**

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा** में कार्तिक पूर्णिमा गुरु नानक जयंती के शुभ अवसर पर आज सनातन मित्र मंडल,शाहपुरा समूह द्वारा नृसिंहद्वारा कुण्ड, कोठी रोड पर पंडित विनीत गौड़ द्वारा ऐतिहासिक जल स्रोत कुण्ड की विधिविधान से पूजा अर्चना कर संपूर्ण कुंड को 551 दीपक प्रज्ज्वलित कर से सुसज्जित किया गया...कार्यक्रम संयोजक पर्यावरण जल संरक्षण कार्यकर्ता दिनेश सिंह भाटी ने बताया कि शाहपुरा में पौराणिक व ऐतिहासिक धरोहरों के अंतर्गत अनेक बावड़िया, कुण्ड व तालाब अवस्थित है सनातन संस्कृति के उज्ज्वल पर्व कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आज विधि-विधान से दीपदान संध्या आरती कर ऐतिहासिक जलस्रोत के संरक्षण का संकल्प लिया गया....दीपदान कार्यक्रम सह संयोजक अंतर्राष्ट्रीय फड़ चित्रकार विजय जोशी ने बताया की सनातन धर्म के अनेक त्योहारों द्वारा नई पीढ़ी में संस्कारों के स्थानान्तरण का सुदृढ़ माध्यम है समूह द्वारा आगामी समय में एकादशी व पूर्णिमा पर इसी प्रकार जलस्रोत सन्ध्या आरती व दीपदान कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे.....



कार्यक्रम में दिनेश सिंह भाटी,आशीष लक्षकार, विजय जोशी, माधवप्रसाद शर्मा, कुसुमशर्मा,राजश्री सुखवाल, बृजेन्द्र शर्मा, संजय ओझा,अंकुश चौहान, भानुकुमार गौड़,अर्यमा सिंह,दिव्यांशु कुमावत,भव्या कँवर, स्वस्ति सिंह, प्रिन्स चौहान,खुशी कँवर आदि अनेक सनातन प्रेमी भक्तगण उपस्थित थे

# आरएसडब्ल्यूएम में दो सगे भाइयों की मौत पर 11 घंटे हंगामा, प्रबंधन ने थमाए 35 लाख के चेक

## दो करोड़ रुपए मुआवजे सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर फैक्ट्री गेट पर दिया धरना, 17.50-17.50 लाख की सहायता पर बनी सहमति

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** दो सगे भाइयों की मौत के बाद परिवार को आर्थिक सुरक्षा दिलाने की मांग को लेकर मंगलवार को आरएसडब्ल्यूएम फैक्ट्री के बाहर करीब 11 घंटे तक विरोध प्रदर्शन चला। रीको गोथ सेंटर स्थित फैक्ट्री में केमिकल हौद की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आकर जान गंवाने वाले दोनों भाइयों के परिजन और ग्रामीण सुबह से ही फैक्ट्री गेट पर धरने पर बैठ गए। पीड़ित परिवार के समर्थन में दौसा जिले के रामपुरा और आसपास के गांवों से करीब 50 से 60 लोग हमीरगढ़ पहुंचे। ग्रामीणों का कहना था कि दो कमाने वाले बेटों की मौत के बाद परिवार के सामने चार मासूम बच्चों की परवरिश और शिक्षा का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में कंपनी को परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी समझते हुए बच्चों के भविष्य की स्थायी व्यवस्था करनी




चाहिए। दो करोड़ रुपए मुआवजे सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर शुरू हुए प्रदर्शन के बाद आखिरकार फैक्ट्री प्रबंधन को बातचीत के लिए आगे आना पड़ा। लंबी वार्ता के बाद प्रबंधन ने दोनों मृतकों के आश्रित परिवारों को 17.50-17.50 लाख रुपए के दो चेक सौंपे। कुल 35 लाख रुपए की सहायता मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया।

**दो करोड़ मुआवजे सहित रखी थीं पांच मांगें**

परिजनों और सर्वसमाज की ओर से कंपनी प्रबंधन एवं प्रशासन को पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया था। इसमें दोनों मृतकों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए यानी कुल दो करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग प्रमुख थी। इसके अलावा दोनों मृतकों के मासिक वेतन की 50 प्रतिशत राशि परिवारों को नियमित देने, चारों बच्चों के 18 वर्ष की आयु तक भरण-पोषण, स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा का खर्च उठाने तथा दोनों बेटियों के विवाह के लिए एफडी करवाने की मांग रखी गई थी। मांग पत्र में पीएफ, ग्रेच्युटी, ईएसआईसी और दुर्घटना बीमा सहित सभी वैधानिक लाभों का तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी शामिल थी। परिजनों का कहना था कि परिवार ने अपने दो कमाने वाले सदस्यों को खोया है, ऐसे में केवल तत्काल आर्थिक सहायता पर्याप्त नहीं है। बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए स्थायी व्यवस्था जरूरी है।

**प्रशासनिक अधिकारियों ने संभाली बातचीत की कमान**

धरने की सूचना पर एसडीएम महेश गगोरिया, सीओ सदर अंजली सिंह और तहसीलदार रामप्रसाद खटीक सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिजनों और फैक्ट्री प्रबंधन के बीच बातचीत करवाकर सहमति बनाने के प्रयास किए। करीब 11 घंटे तक चली समझाइश और वार्ता के बाद सहायता राशि को लेकर सहमति बनी। इस दौरान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सहायक अभियंता दिलीप मीणा और वैज्ञानिक अनुसंधान अधिकारी श्वेता दाधीच भी मौके पर मौजूद रहे। वहीं, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हमीरगढ़ थाना प्रभारी भंवरलाल चौधरी के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

**सुरक्षा इंतजामों पर भी उठाए सवाल**

धरने के दौरान परिजनों ने आरएसडब्ल्यूएम फैक्ट्री प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि हादसे के बाद मौके पर सेफ्टी शूज और केमिकल हौद के अंदर एग्जॉस्ट फैन लगाए गए। परिजनों ने सवाल किया कि यदि श्रमिकों की सुरक्षा के लिए ऐसे इंतजाम पहले से मौजूद होते तो शायद हादसे को टाला जा सकता था। उन्होंने फैक्ट्री में गैस की नियमित जांच, पर्याप्त वेंटिलेशन, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

**35 लाख की सहायता पर धरना समाप्त, बाकी मांगों पर नजर**

करीब 11 घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से दोनों मृतकों के आश्रितों को 17.50-17.50 लाख रुपए के चेक सौंपे गए। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। हालांकि, पांच सूत्रीय मांग पत्र में शामिल बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, भरण-पोषण, बेटियों के विवाह और अन्य वैधानिक लाभों को लेकर आगे क्या व्यवस्था होती है, इस पर पीड़ित परिवार की नजर रहेगी। दो परिवारों के भविष्य से जुड़ा यह मामला अब केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं, बल्कि श्रमिक सुरक्षा और आश्रितों की दीर्घकालीन आर्थिक सुरक्षा का भी बड़ा सवाल बन गया है।

## कैलाश मीणा के जिला प्रमुख बनने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर, गेणोली में एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दी बधाई



पूर्व प्रधान गोपाल मालवीय सहित जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने जताया हर्ष; जिले के विकास को नई गति मिलने की जताई उम्मीद

स्मार्ट हलचल

**मांडलगढ़/गेणोली।** भीलवाड़ा जिला प्रमुख पद पर कैलाश मीणा के निर्वाचित होने पर मांडलगढ़ उपखंड क्षेत्र के गेणोली ग्राम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और जिला प्रमुख बनने पर कैलाश मीणा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

**क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति**

बधाई कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने कहा कि कैलाश मीणा के जिला प्रमुख बनने से ग्रामीण क्षेत्र के विकास कार्यों और जनहित की योजनाओं को नई गति मिलेगी। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन की एकजुटता और जनता के विश्वास की जीत बताया।

**बधाई देने वालों में ये जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता रहे शामिल**

इस अवसर पर पूर्व प्रधान गोपाल मालवीय, होड़ सरपंच सत्यनारायण गुर्जर, मोहनपुरा सरपंच सीताराम गुर्जर, कांग्रेस किसान ब्लॉक अध्यक्ष भूरा लाल माली, वर्तमान वार्ड पंच मुकेश खटीक, पूर्व वार्ड पंच श्याम लाल माली, कांग्रेस युवा नेता ओम सेन, शिवलाल रेगर, मांगीलाल रेगर, महावीर माली, नंदलाल प्रजापत और सिंटू शक्तावत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## चेक अनादरण मामले में महावीर प्रसाद धाकड़ को 18 माह का कारावास, 11 लाख रुपए प्रतिकर के आदेश

विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट एनआई एक्ट संख्या-04 भीलवाड़ा का फैसला, प्रतिकर राशि नहीं चुकाने पर भुगतना होगा छह माह का अतिरिक्त कारावास

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** चेक अनादरण के मामले में विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट, एनआई एक्ट संख्या-04 भीलवाड़ा ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी महावीर प्रसाद धाकड़ को 18 माह के साधारण कारावास से दंडित किया है। न्यायालय ने आरोपी को परिवादी को 11 लाख रुपए प्रतिकर के रूप में अदा करने के आदेश भी दिए हैं। प्रतिकर राशि जमा नहीं कराने पर आरोपी को छह माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। प्रकरण के अनुसार, ग्राम आमा, तहसील कोटड़ी निवासी जगदीश चन्द्र ओझा पुत्र हजारी लाल ओझा ने ग्राम भगुनगर, थाना काछोला निवासी महावीर प्रसाद धाकड़ पुत्र खानाजी धाकड़ के विरुद्ध चेक अनादरण का परिवाद न्यायालय में प्रस्तुत किया था। प्रकरण संख्या 5462/2019 में न्यायालय ने उपलब्ध तथ्यों एवं साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद आरोपी को परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत दोषसिद्ध घोषित किया। इसके बाद आरोपी को 18 माह के साधारण कारावास तथा परिवादी को 11 लाख रुपए प्रतिकर देने की सजा सुनाई। न्यायालय ने प्रतिकर राशि अदा नहीं करने पर छह माह के अतिरिक्त साधारण कारावास का आदेश भी दिया। इस मामले में परिवादी की ओर से अधिवक्ता अभिमन्यु जोशी एवं एडवोकेट प्रताप तेली ने पैरवी की। न्यायालय के इस फैसले से परिवादी को कानूनी लड़ाई में राहत मिली है। चेक अनादरण के मामलों में न्यायालय द्वारा सुनाई गई यह सजा चेक के माध्यम से होने वाले वित्तीय लेन-देन में कानूनी जवाबदेही के महत्व को भी रेखांकित करती है।

## ग्राम पंचायत बिलोता के 8 सफाई कर्मचारियों का 8 माह का भुगतान बकाया




आर्थिक संकट से जूझ रहे कर्मचारी-आगामी 1 दिसंबर से कार्य बहिष्कार की चेतावनी-सरपंच एवं ग्राम विकास अधिकारी को लिखा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

**टोंक/अलीगढ़।** उनियारा पंचायत समिति मुख्यालय अलीगढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिलोता में स्वच्छ भारत मिशन के तहत कार्यरत सफाई कर्मचारियों का करीब 8 माह का भुगतान बकाया होने का मामला सामने आया है। लंबे समय से मानदेय नहीं मिलने से सफाई कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में ग्राम पंचायत के 8 सफाई कर्मचारियों ने सरपंच एवं ग्राम विकास अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर बकाया भुगतान शीघ्र जारी करवाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में कर्मचारियों ने बताया कि वे ग्राम पंचायत बिलोता में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्य कर रहे हैं। उन्हें 25 दिसंबर 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक तथा 25 जुलाई 2026 से 25 नवंबर 2026 तक की अवधि का भुगतान अभी तक नहीं मिला है। कर्मचारियों के अनुसार कुल 8 माह का भुगतान बकाया है। सफाई कर्मचारियों में अभिषेक, बादल, सुनील, रोशन, अक्षय, गोलू, निर्मला, महेन्द्र आदि ने बताया कि लंबे समय से मानदेय नहीं मिलने के कारण उन्हें और उनके परिवारों को आर्थिक तंगी तथा रोजमर्रा के खर्चों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद वे लगातार अपने कार्य का निर्वहन कर रहे हैं। प्रार्थना पत्र के माध्यम से कर्मचारियों ने मांग की है कि उनके कार्य का सत्यापन करवाकर बकाया 8 माह का भुगतान शीघ्र जारी किया जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि समय पर भुगतान नहीं किया गया तो 1 दिसंबर 2026 से वे कार्य का बहिष्कार करने को मजबूर होंगे। अब देखना होगा कि ग्राम पंचायत बिलोता प्रशासन सफाई कर्मचारियों की इस समस्या पर कितनी शीघ्रता से संज्ञान लेकर उनके बकाया भुगतान की व्यवस्था करता है।

## बावलास में महिला की हत्या के 10 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं, गांव में रोष, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

**चित्तौड़गढ़।** राशमी थाना क्षेत्र के ग्राम बावलास में महिला की हत्या के मामले में 10 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। समस्त ग्रामवासी बावलास ने मंगलवार 25 नवंबर को जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ को ज्ञापन सौंपकर पुलिस थाना राशमी को शीघ्र कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार कराने का आदेश देने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि घटना दिनांक 15.11.2026 की रात्रि करीब 3 बजे की



है। गांव की भगवानी बाई पत्नी नारायणलाल अहीर घर में अपनी बहिन लेहरी बाई के साथ सो रही थीं। इसी दौरान घर में अज्ञात लोग घुसे और वारदात को अंजाम देकर घर से जेवरात लेकर फरार हो गए। ज्ञापन के अनुसार, घटना की जानकारी मिलने पर गांव के अन्य व्यक्ति मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और पुलिस थाना राशमी में एफआईआर सं. 227/2026 दर्ज की। ग्रामीणों का कहना है कि घटना को करीब 10 दिन होने को आए, लेकिन पुलिस थाना राशमी द्वारा अभी तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जिससे पूरे गांव में रोष व्याप्त है। गांव में भय का माहौल है। अंत में ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से निवेदन किया कि पुलिस थाना राशमी को एफआईआर सं. 227/2026 में अग्रिम कार्यवाही कर आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कराने का आदेश प्रदान करावें।

ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो गांव आंदोलन के लिए मजबूर होगा।

### हादसे ने छीन लिया डॉक्टर बनने का सपना, अरमान को सुपुर्दे खाक

## 25 नवंबर को निकला जनाजा, हजारों लोग हुए शामिल; परिजनों को पिकनिक की जानकारी नहीं थी, गांव के चार घायल बच्चों का उपचार जारी

स्मार्ट हलचल

**खखरेरू/फतेहपुर** थाना क्षेत्र के जहांगीर नगर गहुरा गांव निवासी दसवीं के छात्र अरमान की लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में मौत के बाद बुधवार दोपहर बाद जनाजा निकाला गया। जनाजे में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और नम आंखों से उसे सुपुर्दे खाक किया गया। हादसे में अरमान की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बेटे की मौत के बाद पिता बदहवास हैं, जबकि मां सोनी गहरे सदमे में हैं। रोते-रोते उनकी हालत बिगड़ जा रही है और होश आने पर वह बेटे को पुकारने लगती हैं। अरमान कौशांबी जनपद के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल में कक्षा दस का छात्र था। पिता रियाज के अनुसार, उन्हें विद्यालय की ओर से बच्चों को पिकनिक पर ले जाने की जानकारी नहीं थी। विद्यालय में उनका छोटा बेटा रहमान भी पढ़ता है। पिता ने बताया कि जानकारी होने पर उन्होंने दोनों बच्चों को पिकनिक पर जाने से मना कर दिया था, लेकिन अरमान दोस्तों और विद्यालय के साथ आगरा



चला गया। वहीं, ग्रामीणों के अनुसार अरमान की मां को पिकनिक की जानकारी थी और बच्चों की जिद पर उन्होंने उसे जाने की अनुमति दे दी थी। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार अरमान पढ़ाई में काफी होनहार था। उसका सपना डॉक्टर बनकर समाज और देश की सेवा करने का था। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह लगातार मेहनत कर रहा था। परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं, लेकिन सड़क हादसे ने उसके सपनों को हमेशा के लिए अधूरा छोड़ दिया। बेटे की मौत के बाद पिता रियाज बदहवास हैं, जबकि मां सोनी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे लोग भी इस दुखद घटना से भावुक हो उठे। हादसे में घायल गांव के छात्र ताबिश, हिना, सहज, बिलाल, मोइनुद्दीन और अब्दुल रहमान आदि के अनुसार दुर्घटना सुबह करीब 4:30 बजे हुई थी। उस समय बस में सवार अधिकांश बच्चे सो रहे थे। एक छात्र को शौचालय जाना था, जिसके लिए बस एक्सप्रेसवे पर रुकी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने बस में टक्कर मार दी। हादसे में चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक छात्र घायल हो गए। हादसे में जहांगीर नगर गहुरा गांव के चार बच्चे भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार अभी जारी है। बच्चों को गंभीर चोटें आने से परिजन चिंतित हैं और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। हादसे के बाद से गांव में शोक का माहौल है। अरमान के जनाजे में उमड़ी भीड़ इस दुखद घटना से ग्रामीणों के गहरे आहत होने की गवाही दे रही थी। परिवार के चिराग और एक होनहार छात्र को खोने का दर्द गांव के लोगों में भी साफ दिखाई दे रहा है।

## नवनिर्वाचित जिला प्रमुख अलका बैरवा को कांग्रेस नेताओं ने टोंक पहुंचकर दी बधाई-रामधन जाट जावल्या के नेतृत्व में पहुंचे जनप्रतिनिधि

स्मार्ट हलचल

**टोंक।** जिला परिषद टोंक में जिला प्रमुख पद पर निर्वाचित होने पर पूर्व प्रधान अलका बैरवा को पीपलू क्षेत्र के कांग्रेस नेता रामधन जाट जावल्या के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने टोंक पहुंचकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कांग्रेस नेता रामधन जाट के साथ युवा नेता बीएल चौधरी देशमा, पूर्व सरपंच सुखलाल चौधरी, डीआर



प्रसन्न देवी गुर्जर के प्रतिनिधि हनुमान गुर्जर, डीआर सुशीला शर्मा के प्रतिनिधि जगदीश शर्मा, डीआर वसुंधरा बैरवा के प्रतिनिधि अजय बैरवा, पंचायत समिति सदस्य कमला गुर्जर के प्रतिनिधि सत्यनारायण गुर्जर, गुलाब खां, राधेश्याम शर्मा सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान सभी ने अलका बैरवा को जिला प्रमुख निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

### 1.20 करोड़ के वर्क ऑर्डर के बावजूद अधूरा खारडा-गांगलास मार्ग

# समय सीमा बीतने पर भी नहीं सुधरी सड़क, धूल व पत्थरों से हादसों का खतरा...

## मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के तहत पीडब्ल्यूडी खंड आसींद को सौंपी गई थी जिम्मेदारी; 12वीं तक स्कूल होने के बावजूद विद्यार्थियों को रायला-ईरास जाना पड़ रहा, जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने के बाद भी नहीं हुआ समाधान

स्मार्ट हलचल

**रायला/आसींद।** रायला क्षेत्र के खारडा से गांगलास गांव की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग लंबे समय से बदहाल और उबड़-खाबड़ बना हुआ है। सड़क पर धूल एवं बड़े-बड़े पत्थर फैले होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है और दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बना हुआ है। 1 करोड़ 20 लाख रुपये की स्वीकृत लागत व समय सीमा बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से प्रशासन एवं निर्माण एजेंसी की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

**बजट घोषणा व टेंडर के बाद भी काम अधूरा, लापरवाही के आरोप**

यह सड़क मार्ग मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित बताया गया है, जिसके



निर्माण की कार्यकारी एजेंसी सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) खंड आसींद है। सूचना बोर्ड के अनुसार 1 करोड़ 20 लाख रुपये में टेंडर स्वीकृत होने और निर्धारित समय सीमा पूरी हो जाने के बावजूद सड़क निर्माण का कार्य पूरा नहीं हो सका है। इसे लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है और निर्माण एजेंसी व संबंधित विभाग पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं।

**विद्यार्थियों की पढ़ाई व आवागमन प्रभावित, धूल से स्वास्थ्य पर असर**

समाजसेवी एवं कांग्रेस ग्राम पंचायत इकाई अध्यक्ष मनीष कुमार सुवालका ने बताया कि इस मार्ग पर संचालित विद्यालयों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं आते-जाते हैं। सड़क की खराब स्थिति और वाहनों के गुजरने से उड़ते धूल के गुबार के कारण बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सुवालका के अनुसार, जर्जर सड़क के कारण ग्राम पंचायत मुख्यालय गांगलास में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 12वीं तक) होने के बावजूद खारडा के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए रायला व ईरास जैसे अन्य स्थानों पर जाना पड़ रहा है। पंचायत मुख्यालय पर 12वीं तक की कक्षाएं संचालित होने के बावजूद सड़क नहीं बनने से छात्र-छात्राएं नियमित रूप से स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सांसद और विधायक को कई बार समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।

**खारडा-गांगलास सड़क मामला : मुख्य बिंदु**

स्वीकृत राशि व योजना: मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के तहत 1 करोड़ 20 लाख रुपये; कार्यकारी एजेंसी पीडब्ल्यूडी खंड आसींद।

मौजूदा स्थिति: समय सीमा बीतने के बावजूद सड़क निर्माण अधूरा; धूल और बड़े पत्थरों से हादसों का खतरा।

प्रभावित वर्ग: वाहन चालक, राहगीर और स्कूली बच्चे; धूल से स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें व नियमित आवागमन बाधित।

प्रमुख मांग: गांगलास स्थित 12वीं तक के विद्यालय तक सुरक्षित पहुंच व जल्द सड़क निर्माण पूरा कराने की मांग।

## गुरु परंपरा के आगे नतमस्तक हुए जगदगुरु रामदयालजी, दंडवत प्रणाम कर रामनिवास धाम में किया प्रवेश

33वां चातुर्मास पूर्ण कर शाहपुरा लौटे आचार्यश्री, बोले- इंसान जुड़ेगा तो राष्ट्र जुड़ेगा

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** रामस्नेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर जगद्गुरु आचार्यश्री रामदयालजी महाराज 33वां चातुर्मास पूर्ण करने के बाद गुरुवार को शाहपुरा पहुंचे। भीलवाड़ा में संपन्न हुए इस वर्ष के चातुर्मास के बाद रामनिवास धाम में उनका आगमन गुरु परंपरा, श्रद्धा और विनम्रता के अनूठे दृश्यों का साक्षी बना। संप्रदाय की परंपरा के अनुरूप आचार्यश्री ने धाम में प्रवेश से पहले समाधियों, मुख्य द्वार और गुरु गादी के समक्ष दंडवत प्रणाम किया। उनके इस भावपूर्ण नमन को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। आचार्यश्री का इस वर्ष का चातुर्मास भीलवाड़ा में संपन्न हुआ। यह भीलवाड़ा में संप्रदाय का पांचवां चातुर्मास था। समापन के बाद वे भीलवाड़ा के रामस्नेही सत्संगीजनों और चातुर्मास आयोजक परिवारों के साथ काफिले के रूप में शाहपुरा पहुंचे। रामनिवास धाम में कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधिराम महाराज ने दंडवत प्रणाम कर उनकी अगवानी की। इसके बाद आचार्यश्री ने स्वयं रामनिवास धाम को दंडवत प्रणाम कर प्रवेश किया। रास्ते में दिवंगत आचार्यश्री रामकिशोरजी महाराज सहित पूर्व आचार्यों की समाधियों के समक्ष भी नतमस्तक हुए। मुख्य प्रवेश द्वार सूरजपोल पर दंडवत प्रणाम करने के बाद बारादरी पहुंचे। यहां गादीजी को प्रणाम किया और मोरपंख से गादीजी को वारकर श्रद्धा व्यक्त की। इसके बाद गादी पर विराजमान हुए, जहां श्रद्धालुओं ने प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान आरती-वंदना की गई तथा सरूपाबाई भक्त महिला मंडल ने भजनों की प्रस्तुति दी। आचार्यश्री ने सिरह भंडार पहुंचकर आद्याचार्य महाप्रभु रामचरणजी महाराज के स्थान पर प्रणाम किया। इसके बाद संतों के साथ समाधि स्तंभजी पहुंचे और दंडवत प्रणाम कर अरदास की। उन्होंने स्तंभजी की परिक्रमा



की तथा आद्याचार्य की अखंड ज्योत के दर्शन किए। यहां वैश्विक कल्याण की मंगल कामना की। बाद में न्याय के आसन पर विराजमान होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया।

**मानवता से ही जुड़ेगा राष्ट्र**

इस अवसर पर समाधि स्तंभजी की साक्षी में आचार्यश्री ने कहा कि भीलवाड़ा में उनका 33वां और संप्रदाय का पांचवां चातुर्मास स्वर्णिम इतिहास के साथ सानंद संपन्न हुआ। आज देश में मानवता को जोड़ने और शिजयो और जीने दोश् के सिद्धांत को अपनाकर सकारात्मक विचारधारा बढ़ाने की आवश्यकता है। आद्याचार्य महाप्रभु रामचरणजी महाराज ने भी वर्षों पहले यही सिद्धांत दिया था। उन्होंने कहा, इंसान जुड़ता है तो राष्ट्र जुड़ता है। व्यक्ति जुड़ेगा तो राष्ट्र जुड़ेगा। मानव धर्म से जुड़कर ही राम और राष्ट्र धर्म से जुड़ा जा सकता है। हमें राष्ट्र के लिए जागना होगा तथा मानवता, धर्म और संस्कृति का जागरण करना होगा। राम प्रकाश हैं, धर्म हैं, संयम हैं और शक्ति हैं। राम ही राष्ट्र धर्म हैं। इस अवसर पर संत नरपतराम उदयपुर, संत नानूराम, संत प्रितराम, ट्रस्टी रामगोपाल सोमाणी, बालूराम सोमाणी कपासन, अशोक कुमार अजमेरा, मुरली इनाणी और अशोक गगराणी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। भीलवाड़ा से अशोक अजमेरा की अगुवाई में पहुंचे श्रद्धालुओं की ओर से चातुर्मास की अंतिम रसोई का आयोजन भी किया गया।

# RLP की जीती हुई प्रत्याशी को उठा ले गए विधायक, 14-14 बराबर, 1 सीट वाली शंकरी ही बनी किंगमेकर!

**भाजपा पर बाड़ाबंदी का आरोप, कलेक्टर चौराहे पर RLP का धरना तीसरे दिन भी जारी, 27 को होगा उग्र आंदोलन! नागौर वाला वीडियो निकला भ्रामक**

स्मार्ट हलचल




**चित्तौड़गढ़** में सियासी तूफान आ गया है! चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। कांग्रेस और भाजपा को बराबर 14-14 सीटें मिली हैं, जबकि 1 सीट पर RLP ने जीत दर्ज की थी।

और RLP की इसी 1 सीट वाली शंकरी भील ही किंगमेकर बन गईं। और उसी किंगमेकर को गायब कर दिया गया!

**विधायक पर बाड़ाबंदी का आरोप**

स्थानीय भाजपा समर्थित विधायक चंद्रभान सिंह आक्या पर आरोप है कि भाजपा इस एक सदस्य को अपनी बाड़ाबंदी में ले गई है। RLP का आरोप है कि विधायक ने ही RLP से चुनाव जीती शंकरी भील का हरण करवाया है।

RLP के टिकट पर चुनाव जीतने वाली प्रत्याशी शंकरी भील के गायब होने के बाद RLP समर्थकों ने जिला मुख्यालय पर धरना शुरू कर दिया। RLP सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के निर्देश पर पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक पंचायत समिति सदस्य वापस नहीं आ जाती, तब तक धरना जारी रहेगा।

**बेटे ने लगाया अपहरण का आरोप**

शंकरी भील के बेटे ने अपनी मां को जबरन अपहरण करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि हनुमान बेनीवाल धरने में शामिल होंगे, लेकिन अभी तक इसका खुलासा नहीं हुआ है।

**नागौर वाला वीडियो निकला भ्रामक**

सोमवार को बताया गया था कि प्रत्याशी शंकरी भील को RLP प्रमुख हनुमान बेनीवाल के पास नागौर भेजा जाएगा, लेकिन आज शाम तक शंकरी को नागौर नहीं भेजने का आरोप है, जिससे धरने को आगे बढ़ाने की घोषणा की गई है। वहीं सोशल मीडिया पर शंकरी भील को नागौर हनुमान बेनीवाल के पास पहुंचाने का जो वीडियो चल रहा है, वह पूर्णतया भ्रामक है। यह वह वीडियो है जब सरपंचों के जीतने के बाद उनको घर छोड़ा गया था, जिसमें शंकरी भील भी बैठी थी। इस वीडियो को शंकरी को नागौर पहुंचाने से जोड़कर फैलाया जा रहा है।

**धरने का तीसरा दिन पूर्ण, 27 को होगा उग्र आंदोलन**

चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर चौराहे पर RLP का धरना आज तीसरे दिन भी जारी है। धरना 24 नवंबर मंगलवार की रात 10.25 बजे भी जारी था। RLP कार्यकर्ता आक्रोशित हैं। बताया जा रहा है कि जब तक शंकरी को नहीं सौंपा जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा। और जो 27 तारीख है, वो 27 तारीख उग्र रूप धारण करेगी। मतलब अब ये लड़ाई पंचायत समिति की नहीं रही! ये लड़ाई आर-पार की हो गई है! राजस्थान की जनता देख रही है कि इस बार लोकतंत्र जीतेगा या बाड़ाबंदी जीतेगी?

## असम में डीआईजी और एसएसपी में जमकर हुई मारपीट

- सीएम ने पल्ला झाड़ा कहा– ये आपस का मामला है

कोकराझार, एजेंसी। असम के कोकराझार जिले में देर रात आयोजित एक पार्टी के दौरान दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के बीच विवाद मारपीट तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि इस घटना में कोकराझार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अक्षत गर्ग घायल हो गए हैं। इस मामले पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे निजी विवाद बताया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह घटना पिछले वीकेंड की है। कोकराझार के सराईखोला स्थित सातवीं असम पुलिस बटालियन परिसर में अक्षत गर्ग ने एक पार्टी का आयोजन किया था। इसी दौरान अक्षत गर्ग और वेस्टर्न रेंज के डीआईजी वाईटी ग्यात्सो के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों अधिकारियों के बीच हाथापाई हो गई, जिसमें एसएसपी अक्षत गर्ग को कई चोटें आईं। हालांकि, असम पुलिस मुख्यालय ने अभी तक इस कथित घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और न ही इस संबंध में कोई बयान जारी किया है। घटना किन परिस्थितियों में हुई और पार्टी में मौजूद अन्य लोगों की क्या भूमिका थी, इसे लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें घटना की जानकारी है, लेकिन यह एक निजी पार्टी में हुआ विवाद था और उस समय दोनों अधिकारी ड्यूटी पर नहीं थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर यह घटना ड्यूटी के दौरान हुई होती तो सरकार हस्तक्षेप करती और जरूरी कदम उठाती, लेकिन निजी मामले में सरकार कुछ नहीं कह सकती।

## जयपुर में तीन सगी बहनें अचानक घर से लापता

**दो बालिग और एक नाबालिग शामिल, परिजनों ने थाने पहुंचकर दर्ज करवाया मामला**

**जयपुर** राजधानी जयपुर में तीन सगी बहनों के अचानक घर से लापता होने का मामला सामने आया है। लापता हुई बहनों में दो बालिग और एक नाबालिग बताई जा रही है। काफी तलाश के बाद भी तीनों का कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों बहनों की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों और परिचितों से भी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल तीनों के अचानक लापता होने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

देईखेड़ा की बेटी हेमलता बनीं तीरथ पंचायत की सरपंच, गांव में हुआ भव्य स्वागत

## डायरेक्टर से सरपंच तक का सफर तय कर बढ़ाया क्षेत्र का मान, ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से किया अभिनंदन

स्मार्ट हलचल



**लाखेरी** - उपखंड क्षेत्र के देईखेड़ा की बेटी हेमलता के तीरथ पंचायत की नवनिर्वाचित सरपंच बनने पर सोमवार को गांव में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी तथा उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। हेमलता ने राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए पहले जिला परिषद डायरेक्टर के रूप में अपनी पहचान बनाई। वह तीरथ-मेहराना क्षेत्र की दो पंचायतों से जिला परिषद डायरेक्टर रह चुकी हैं। अब सरपंच पद पर निर्वाचित होकर उन्होंने अपने राजनीतिक सफर में एक और उपलब्धि हासिल की है। देईखेड़ा की बेटी के सरपंच बनने पर गांव में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उम्मीद जताई कि हेमलता नई जिम्मेदारी के साथ पंचायत के विकास, जनहित और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कार्य करेंगी। स्वागत समारोह में संजय कुमार मीणा, मुकेश, हेमंत, मांगीलाल, गोवर्धन, शिवराज, जुगराज, अजय एवं पवन सहित अनेक ग्रामीण और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने हेमलता को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

## दलाई लामा को लुटियंस दिल्ली में सरकारी बंगला

- विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर किया आवंटन, तिब्बती नेतृत्व ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को राजधानी दिल्ली के लुटियंस क्षेत्र में सरकारी आवास आवंटित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर दलाई लामा के कार्यालय 'गादेन फोडरंग ट्रस्ट' को पंडित रविशंकर शुक्ला लेन स्थित टाइप–7 सरकारी बंगला आवंटित किया है। हालांकि, इस संबंध में मंत्रालय की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, सरकारी आवास का आवंटन आम तौर पर तीन वर्ष के लिए किया जाता है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसकी अवधि बढ़ाने का प्रावधान भी होता है। इस आवास से दलाई लामा के दिल्ली दौरों के दौरान उनके ठहरने के लिए एक स्थायी व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। निर्वासित तिब्बती संसद के सदस्यों ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। संसद की स्पीकर डोलमा त्सेरिंग ने इसे अच्छी खबर बताते हुए कहा कि इससे दलाई लामा के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आना और यहां ठहरना अधिक सुविधाजनक होगा। निर्वासित तिब्बती संसद की स्थायी समिति के सदस्य चोदक ग्यात्सो ने भी फैसले को सम्मान की बात बताया। उन्होंने कहा कि तिब्बतियों के पास अपना देश नहीं होने के दौर में भारत ने उन्हें शरण दी और धर्मशाला में बसने, स्कूल तथा अन्य संस्थान स्थापित करने में सहयोग किया। उनके मुताबिक, इन संस्थानों ने तिब्बती संस्कृति और पहचान को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



## बनेठा सीएचसी एक डॉक्टर के भरोसे चार चिकित्सकों के पद रिक्त...

**चिकित्सकों और स्टॉफ की कमी से ग्रामीण व मरीज परेशान, स्वास्थ्य सेवाओं पर उठे सवाल**

स्मार्ट हलचल



**टोंक/बनेठा।** उनियारा उपखंड क्षेत्र के बनेठा उपतहसील मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में चिकित्सकों की भारी कमी के चलते स्वास्थ्य व्यवस्थाएं प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। पांच स्वीकृत चिकित्सक पदों में से चार पद रिक्त होने के कारण अस्पताल महज एक चिकित्सक के भरोसे संचालित हो रहा है। वहीं सात में से एक कम्पाउंडर का पद भी कई महीनों से रिक्त बताया जा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों और मरीजों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

**एक चिकित्सक पर पूरे अस्पताल की जिम्मेदारी**

ग्रामीणों एवं विभागीय जानकारी के अनुसार, बनेठा सीएचसी में चिकित्सकों के अधिकांश पद खाली पड़े हैं। पांच में से चार पद रिक्त होने से एकमात्र चिकित्सक पर अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्थाओं का भार है। इसके अलावा कम्पाउंडर के पद पर भी कमी बनी हुई है। चिकित्सकों और स्टॉफ की कमी के चलते मरीजों को उपचार के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए अन्यत्र रेफर करने की स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है।

**अस्पताल व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों का यह है कहना**

मामले को लेकर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी उनियारा डॉ. मनीष लोधी एवं बनेठा सीएचसी अस्पताल प्रभारी डॉ. कुंदन सांवरिया से मोबाइल फोन पर बातचीत की गई। चिकित्सकों की कमी और अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने बताया कि स्टॉफ की कमी के संबंध में विभाग एवं शासन-प्रशासन को कई बार पत्र लिखकर अवगत करवाया जा चुका है। चिकित्सकों की नियुक्ति करना सरकार स्तर का कार्य है। विभाग की ओर से केवल मांग पत्र भेजे जा सकते हैं, जो समय-समय पर भेजे जा चुके हैं। वहीं डॉ. मनीष लोधी ने मामले में दोबारा बातचीत करने की बात कही।

**रिक्त पद भरने और ड्यूटी व्यवस्था सुधारने की मांग**

ग्रामीणों ने चिकित्सा विभाग से बनेठा सीएचसी में रिक्त चिकित्सक एवं कम्पाउंडर पदों को शीघ्र भरने, कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा ड्यूटी रोस्टर की प्रभावी निगरानी करने की मांग की है। इसके साथ ही अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, प्रसव संबंधी आंकड़ों और एंबुलेंस सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई है। अब सवाल यह है कि उपतहसील मुख्यालय के इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को चार रिक्त चिकित्सक पदों से कब राहत मिलेगी? क्या ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए इसी तरह इंतजार करना पड़ेगा? अब देखना होगा कि चिकित्सा विभाग और शासन-प्रशासन इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए कब तक ठोस कदम उठाते हैं।

## उनियारा में खाद की किल्लत से किसान परेशान घंटों धूप में कतारों में लगकर लेने पड़ रहे टोकन

**खाद के 1424 कट्टों की गाड़ी पहुंचते ही उमड़ी किसानों की भारी भीड़, प्रति किसान दो कट्टों के हिसाब से 712 टोकन वितरित...**

**एसडीएम सुमन गुर्जर ने किया निरीक्षण, सुबह से ही लगी रही किसानों की लंबी कतारें**

स्मार्ट हलचल



**टोंक/उनियारा।** उनियारा क्षेत्र में खाद की किल्लत के चलते किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को खाद के 1424 कट्टों की गाड़ी पहुंचते ही किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खाद प्राप्त करने के लिए किसानों को घंटों तक तेज धूप में लंबी कतारों में खड़े होकर टोकन लेने को मजबूर होना पड़ा। सोमवार को एसडीएम कार्यालय के समीप स्थित राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय उनियारा में खाद के टोकन वितरण के लिए सुबह से ही किसानों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। खाद के कुल 1424 कट्टों के लिए प्रति किसान दो कट्टों के हिसाब से 712 टोकन वितरित किए गए। इस दौरान कृषि विभाग के सहायक कृषि अधिकारी केदार गुर्जर, कृषि पर्यवेक्षक प्रधान गुर्जर, रामहेत मीणा, नरेश गुर्जर, हेतराम मीणा, कालू नागर, लव कुमार, बलराम नागर, संगीता मीणा एवं मोनिका मीणा सहित अन्य कार्मिकों ने पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में टोकन वितरण करवाया। सोमवार सुबह से शुरू हुई किसानों की लंबी कतारें दोपहर 2 बजे तक भी जारी रहीं। वहीं एसडीएम सुमन गुर्जर एवं उनियारा थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक ओम कंवर ने मौके पर पहुंचकर खाद वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। टोकन लेने के दौरान किसानों में अपनी बारी को लेकर होड़ मची रही। लंबी कतारों के बीच धक्कामुक्की और अव्यवस्थाओं की स्थिति भी देखने को मिली। किसान घंटों तक कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। खाद की किल्लत के चलते किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे रबी फसलों की बुवाई एवं फसल प्रबंधन को लेकर उनकी चिंता बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाया जाना चाहिए, ताकि उन्हें घंटों धूप में खड़े होकर परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

# 14 के आंकड़े पर भी भाजपा चित, 13 के दम पर कांग्रेस ने रचा इतिहास...

***24 वर्षीय ममता गुर्जर ने पहले ही चुनाव में हासिल की जिला प्रमुख की कुर्सी, एक वोट की बाजी ने पलटा सियासी खेल; ब्यावर को मिली पहली जिला प्रमुख...***



स्मार्ट हलचल



**स्मार्ट हलचल । अनिल कुमार खीची ब्यावर।** सियासत में बहुमत का आंकड़ा हमेशा जीत की गारंटी नहीं होता। ब्यावर जिला परिषद के जिला प्रमुख चुनाव में ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां एक सदस्य की बढ़त के बावजूद भाजपा को हार का सामना करना पड़ा और कांग्रेस ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर दी। कांग्रेस प्रत्याशी ममता गुर्जर ने भाजपा की निर्मला देवी को एक वोट से पराजित कर ब्यावर जिले की पहली जिला प्रमुख बनने का गौरव हासिल किया। जिला प्रमुख पद के चुनाव में कुल 27 जिला परिषद सदस्यों ने मतदान किया। इनमें भाजपा के 14 और कांग्रेस के 13 सदस्य शामिल थे। संख्याबल के लिहाज से भाजपा मजबूत स्थिति में थी, लेकिन मतदान के परिणाम ने पूरा सियासी गणित बदल दिया। कांग्रेस प्रत्याशी ममता गुर्जर को 14 मत मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी निर्मला देवी को 13 मतों से संतोष करना पड़ा। भाजपा के बहुमत के बावजूद मिली इस हार के पीछे क्रॉस वोटिंग को प्रमुख वजह माना जा रहा है। एक वोट इधर से उधर होते ही चुनाव का परिणाम कांग्रेस के पक्ष में चला गया।

**पहली बार चुनाव लड़ा और सीधे जिला प्रमुख बनीं**

इस चुनाव का सबसे दिलचस्प पहलू 24 वर्षीय ममता गुर्जर की राजनीतिक पारी रही। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने सीधे राजनीति में कदम रखा और पहली बार चुनाव मैदान में उतरीं। इससे पहले उनका कोई सक्रिय राजनीतिक अनुभव या चुनावी पृष्ठभूमि नहीं रही। हालांकि उनके चाचा दयाल गुर्जर राजनीति से जुड़े हुए हैं। पहली ही चुनावी पारी में जिला प्रमुख की कुर्सी तक पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

**दिग्गजों के सियासी प्रभाव के बीच दर्ज की जीत**

ममता गुर्जर की जीत इसलिए भी चर्चा का विषय बन गई है कि चुनाव के दौरान भाजपा के दो विधायकों और एक कैबिनेट मंत्री का राजनीतिक प्रभाव भी चर्चा में था। इसके बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी ने एक वोट से जीत हासिल कर भाजपा के रणनीतिक समीकरणों को झटका दिया। चुनाव परिणाम ने भाजपा के भीतर सदस्यों की एकजुटता और चुनावी प्रबंधन को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ब्यावर जिले की पहली जिला प्रमुख के रूप में ममता गुर्जर का निर्वाचन जिले के राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय है। कम उम्र, पहला चुनाव और सीधे जिला प्रमुख की जिम्मेदारी–इन तीनों वजहों से उनकी जीत ने पूरे राजनीतिक परिदृश्य का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

बड़ीसादड़ी में प्रधान पद की दौड़

## रेखा लोहार के समर्थन में उठी जनआवाज, विकास और जनसेवा को लेकर जनता ने जताया भरोसा

स्मार्ट हलचल



**चित्तौड़गढ़।** चित्तौड़गढ़ जिले की बड़ीसादड़ी पंचायत समिति में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद अब प्रधान पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सहकारिता मंत्री गौतम दक के गृह क्षेत्र बड़ीसादड़ी से 17 सीटों वाली पंचायत समिति में कांग्रेस ने 14 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, जबकि भाजपा को महज 3 सीटों से संतोष करना पड़ा। इस जीत के बाद प्रधान पद के लिए कांग्रेस के भीतर दावेदारों को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। प्रधान पद की दावेदारी के बीच रेखा लोहार के समर्थन में क्षेत्र की जनता की आवाज लगातार बुलंद होती नजर आ रही है। आमजन का मानना है कि रेखा लोहार को प्रधान पद की जिम्मेदारी सौंपने से पंचायत समिति क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिल सकती है। जनता के बीच उनकी सक्रियता, आम लोगों से सीधा जुड़ाव और जनसमस्याओं को समझने की क्षमता को उनकी मजबूत दावेदारी का आधार माना जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि आजादी के बाद पहली बार किसी ने वार्ड नंबर 2 से कांग्रेस से इस सीट से जीत हासिल की है। रेखा लोहार ने इस वार्ड से 1315 वोट से धमाकेदार जीत हासिल की। रेखा लोहार को लेकर जनता में यह विश्वास दिखाई दे रहा है कि वे आम जनता के मुद्दों को लेकर गंभीरता से कार्य करेंगी और आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी। कांग्रेस पार्टी के सामने प्रधान पद के लिए जयश्री राठौर, अजीता शर्मा और रेखा लोहार के नाम चर्चा में हैं। ऐसे में पार्टी नेतृत्व के लिए यह निर्णय महत्वपूर्ण होगा कि संगठन के प्रति निष्ठा, कार्यकर्ताओं के योगदान, जनसमर्थन और क्षेत्र के विकास की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए किसे जिम्मेदारी सौंपी जाए।राजनीतिक जानकारों के अनुसार, बड़ीसादड़ी में कांग्रेस को मिली ऐतिहासिक बढ़त के पीछे जनता का बदलाव और विकास के प्रति भरोसा भी अहम रहा है। अब प्रधान पद पर ऐसा चेहरा सामने लाने की अपेक्षा की जा रही है, जो इस जनादेश को विकास के धरातल पर उतार सके। रेखा लोहार के पक्ष में उठ रही जनआवाज का संदेश साफ है कि जनता को ऐसा नेतृत्व चाहिए जो उनके बीच रहे, उनकी समस्याएं सुने और विकास कार्यों में पारदर्शिता व सक्रियता के साथ आगे बढ़े। अब देखना होगा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व जनभावनाओं, संगठनात्मक समीकरणों और विकास की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए बड़ीसादड़ी पंचायत समिति के प्रधान पद पर किसके नाम पर मुहर लगाता है। बड़ीसादड़ी की जनता की निगाहें अब प्रधान पद के फैसले पर टिकी हैं, वहीं रेखा लोहार के समर्थकों में उन्हें प्रधान बनाए जाने की उम्मीद और उत्साह दिखाई दे रहा है।

# चित्तौड़गढ़ में 21 साल बाद कांग्रेस का तूफान! 28-7 से भाजपा का किला ध्वस्त, रतनी देवी बनीं जिला प्रमुख!

## पति बद्रीलाल जाट को कार्यकर्ताओं ने कंधों पर उठाया, कलेक्ट्रेट पर ढोल-नगाड़े और आतिशबाजी, दिल्ली तक हिल उठी भाजपा!

स्मार्ट हलचल




**चित्तौड़गढ़** की धरती पर बुधवार को वो हुआ, जो पिछले 21 साल में कभी नहीं हुआ! जिला परिषद में कांग्रेस ने ऐसा तूफान लाया कि भाजपा का 21 साल पुराना किला एक ही झटके में ध्वस्त हो गया!

चित्तौड़गढ़ जिला परिषद में 21 साल बाद कांग्रेस ने फिर से अपना दबदबा कायम कर लिया। बुधवार को हुए जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रतनी देवी जाट ने भाजपा की तुलसी बाई को बड़े अंतर से हराकर जीत दर्ज की।

28-7 का आंकड़ा ही काफी है!

रतनी देवी को 28 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी तुलसी बाई को सिर्फ 7 वोट ही मिल पाए। मतलब 21 वोटों के अंतर से जीत! ये जीत नहीं, ये तो एकतरफा आंधी थी!

जिला परिषद की 35 सीटों के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस के पास पहले से ही 28 सदस्य थे, जबकि भाजपा के पास सिर्फ 7 सदस्य थे। बुधवार को जिला प्रमुख चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रतनी देवी जाट 21 वोटों के अंतर से जिला प्रमुख निर्वाचित हुईं।

**16वीं जिला प्रमुख, छठी महिला जिला प्रमुख!**

रतनी देवी जाट चित्तौड़गढ़ की 16वीं जिला प्रमुख और छठी महिला जिला प्रमुख बनी हैं। ये सिर्फ एक पद नहीं, ये चित्तौड़गढ़ की महिलाओं की जीत है!

**कलेक्ट्रेट बना जश्न का मैदान!**

जीत की घोषणा होते ही जिला कलेक्ट्रेट परिसर कांग्रेस के जश्न में बदल गया। ढोल-नगाड़ों की आवाज के बीच कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और जमकर डांस कर अपनी खुशी जताई।

जीत की घोषणा के बाद जिला कलेक्ट्रेट के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार आतिशबाजी की। ढोल-नगाड़ों के साथ कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और जमकर जश्न मनाया।

**पति को कंधों पर उठाया!**

कलेक्ट्रेट से बाहर आते ही कार्यकर्ताओं ने बद्रीलाल जाट को कंधों पर उठा लिया। वहीं भीड़ अधिक होने के कारण सुरक्षा घेरे के बीच रतनी देवी जाट को बाहर तक पहुंचाया गया। वो नजारा देखने लायक था - एक तरफ पति कंधों पर, दूसरी तरफ पत्नी जिला प्रमुख! पूरा चित्तौड़गढ़ देखता रह गया!

**रतनी देवी ने क्या कहा?**

जीत के बाद रतनी देवी जाट ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जिले की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जनता ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरी ईमानदारी से निभाएंगी।

**क्यों हिल गई दिल्ली तक भाजपा?**

क्योंकि चित्तौड़गढ़ को भाजपा का गढ़ माना जाता था। 21 साल से यहां भाजपा का कब्जा था। लेकिन इस बार जनता ने 28-7 से बता दिया कि अब हवा बदल चुकी है! ये सिर्फ जिला प्रमुख की जीत नहीं है, ये 2028 का ट्रेलर है!

80 करोड़ का बैंक फ्रॉड, CBI की उदयपुर में कार्रवाई

## 6 ठिकानों पर छापेमारी, खातों में हेराफेरी और धोखाधड़ी करने का आरोप




स्मार्ट हलचल

**उदयपुर** केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नेशनल हाउसिंग बैंक (NHB) से जुड़े 80.15 करोड़ रुपए के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने बुधवार को मेसर्स स्टार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के निदेशकों और अन्य आरोपियों से जुड़े उदयपुर और मुंबई के कुल 6 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। सीबीआई के अनुसार, यह मामला नेशनल हाउसिंग बैंक की लिखित शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि स्टार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, इसके निदेशकों और कुछ अज्ञात लोक सेवकों ने आपराधिक साजिश रची। इसके तहत फर्जी लोन (फैंटम लोन) बांटने के नाम पर फंड की हेराफेरी की। इस धोखाधड़ी से नेशनल हाउसिंग बैंक को 80.15 करोड़ रुपए का भारी नुकसान उठाना पड़ा।

**गंभीर धाराओं में मामला दर्ज, अहम दस्तावेज बरामद**

जांच एजेंसी ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, खातों में हेराफेरी और आपराधिक मामलों केस दर्ज किया है। उदयपुर और मुंबई में हुई इस छापेमारी के दौरान सीबीआई की टीमों ने जांच से जुड़े कई महत्वपूर्ण और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं। फिलहाल मामले में आगे की जांच जारी है।

# सड़क पर दौड़ती बसों की खुली जांच, सुरक्षा में चूक पर संचालकों के कटे चालान

## जीरो पुलिया पर परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, लग्जरी से लेकर निजी व स्लीपर बसों तक की हुई पड़ताल

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची



**ब्यावर।** यात्रियों की जान से खिलवाड़ अब बस संचालकों को भारी पड़ सकता है। बसों में सुरक्षा इंतजामों की हकीकत जानने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से रोड सेफ्टी अभियान 2.0 के तहत बुधवार को जीरो पुलिया, उदयपुर रोड पर औचक निरीक्षण किया गया। खास बात यह रही कि इस बार कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए लग्जरी बसों के साथ स्थानीय, निजी और स्लीपर बसों को भी जांच के घेरे में लिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं अपर जिला न्यायाधीश सोनल पारिख के निर्देशन में जिला परिवहन अधिकारी और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने बसों के परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, आपातकालीन निकास द्वार, अग्निशामक यंत्र सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की। निरीक्षण के दौरान कुछ बसों में सुरक्षा मानकों की कमियां और अनधिकृत मॉडिफिकेशन पाए गए। इस पर संबंधित बस संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए चालान किए गए। सोनल पारिख ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। बसों में आपातकालीन निकास और अग्निशमन उपकरणों की अनदेखी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के तहत औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे और नियमों की अवहेलना करने वाले बस संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य केवल नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाना नहीं, बल्कि बस संचालकों में सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना और यात्रियों को सुरक्षित सफर उपलब्ध कराना है।

# स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं को परेशान करना बंद करे विद्युत निगम - कांग्रेस...

## उपभोक्ताओं की सहमति, पारदर्शिता एवं शहरी किसानों को 2000 यूनिट नि:शुल्क बिजली देने की भी उठाई आवाज

स्मार्ट हलचल



**सांगोद 25 नवम्बर** को सांगोद नगर कांग्रेस कमेटी सांगोद के प्रतिनिधि मंडल द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जाने के संबंध में सहायक अभियंता, विद्युत निगम सांगोद को ज्ञापन सौंपकर आमजन की समस्याओं से अवगत करवाया गया। नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनोज सुवालका, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग जिला अध्यक्ष असरार अहमद, पूर्व नगर अध्यक्ष राजेंद्र गहलोत, जिला महासचिव अफसार प्रधान एवं युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष सिद्धार्थ सुवालका ने कहा कि विद्युत निगम द्वारा उपभोक्ताओं की सहमति एवं उनकी आशंकाओं का उचित समाधान किए बिना स्मार्ट मीटर लगाए जाने की कार्रवाई से लोगों में चिंता और असंतोष का माहौल है। आम उपभोक्ताओं को आशंका है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली की खपत एवं बिलों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि जब उपभोक्ताओं के वर्तमान मीटर सही ढंग से कार्य कर रहे हैं, तो उन्हें बदलने की आवश्यकता और इसके कानूनी आधार की स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। विद्युत निगम को स्मार्ट मीटर लगाने से संबंधित सरकारी आदेश, लागू नियम एवं उपभोक्ताओं के अधिकारों की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। साथ ही मीटर की रीडिंग एवं बिलिंग में पारदर्शिता तथा शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। कांग्रेस पदाधिकारियों ने ज्ञापन देकर मांग की कि सांगोद नगर पालिका क्षेत्र में उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी कर स्मार्ट मीटर लगाने की कार्रवाई नहीं की जाए तथा पुराने मीटर सही पाए जाने पर उन्हें अनावश्यक रूप से बदलने के लिए बाध्य नहीं किया जाए। ज्ञापन में नगर पालिका क्षेत्र में निवास करने वाले कृषि कार्य से जुड़े किसानों को भी खेती के लिए 2000 यूनिट नि:शुल्क बिजली उपलब्ध करवाने की मांग उठाई गई, ताकि किसानों को आर्थिक राहत मिल सके। नगर कांग्रेस कमेटी ने विद्युत निगम के अधिकारियों से आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मांगों पर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उपभोक्ताओं की समस्याओं की अनदेखी कर जबरन स्मार्ट मीटर लगाने की कार्रवाई जारी रहती है, तो नगर कांग्रेस कमेटी आमजन के हितों में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

इस अवसर पर पार्षद सलीम अंसारी, नगर उपाध्यक्ष शांतिलाल सुमन, नगर प्रभारी जगदीश नागर, नगर सचिव इकबाल सिंगीवाला, पार्षद बृजमोहन रेगर, पार्षद उदल सिंह मीणा, पार्षद रविंद्र मेहता, प्रेम कुमार शर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम, पार्षद भवानी शंकर रेगर, वसीम जलाल, राजेंद्र सेन, नगर महासचिव मोहम्मद शरीफ, सिद्धार्थ मीणा, नगर मीडिया प्रभारी असगर अंसारी, अल्पसंख्यक जिला प्रवक्ता मुसव्विर खान, नगर महासचिव दिनेश सोनी, जाकिर हुसैन, एफाज अहमद, एनएसयूआई के अल्फेज मिर्जा सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## उद्योग, निवेश और पर्यटन के राष्ट्रीय मानचित्र पर चमकेगा कोटा, तीन दिन जुटेंगे देशभर के दिग्गज

# लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे मुख्य अतिथि, पद्म भूषण डॉ. डी.आर. मेहता सहित उद्योग, बैंकिंग और व्यापार जगत की प्रतिष्ठित हस्तियां करेंगी शिरकत

## 500 से अधिक उद्यमी, उद्योगपति और निवेशक होंगे शामिल; 63 विदेशी दूतावासों को निमंत्रण, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश के नए रास्ते तलाशे जाएंगे

स्मार्ट हलचल



**कोटा।** शिक्षा नगरी कोटा अब अपनी औद्योगिक क्षमता, व्यापारिक संभावनाओं और पर्यटन विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ी पहल करने जा रहा है। बीएनआई कोटा जिला की ओर से 18 से 20 दिसंबर तक बूंदी रोड स्थित हरियाली रिसॉर्ट में आयोजित होने वाला बीएनआई औद्योगिक एवं पर्यटन शिखर सम्मेलन-2.0 हाड़ौती के आर्थिक विकास और व्यावसायिक विस्तार का महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में देशभर से 500 से अधिक उद्यमी, उद्योगपति, निवेशक, व्यवसायी और विभिन्न व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधि जुटेंगे। इन्हीं संभावनाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने के उद्देश्य से बीएनआई कोटा चेप्टर,होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान व कोटा व्यापार संघ की ओर से 18 से 20 दिसंबर तक बूंदी रोड स्थित हरियाली रिसॉर्ट में 'इंडस्ट्रियल एंड टूरिज्म समिट-2.0' का आयोजन किया जाएगा।समिट के पोस्टर विमोचन में एसएसआई कोटा के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. गोविंदराम मित्तल, फेडरेशन ऑफ राजस्थान, कोटा डिवीजन के अध्यक्ष एवं कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी सहित बीएनआई के पदाधिकारी बीएनआई कोटा के कार्यकारी निदेशक प्रियांक गुप्ता, पीयूष गुप्ता एवं दर्शन कोठारी बीएनआई चंबल के अध्यक्ष अमान खान, उपाध्यक्ष आयुष जैन एवं सचिव प्रतीक गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

**एवं आयोजन समिति से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे।**

कार्यकारी निदेशक प्रियांक गुप्ता ने बताया कि इसमें देश की वित्तीय, औद्योगिक, व्यापारिक और सामाजिक क्षेत्रों की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां कोटा पहुंचेंगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 19 दिसंबर को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि समापन दिवस 20 दिसंबर को राजस्थान रेडक्रॉस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला मुख्य अतिथि होंगे। देश के वित्तीय और औद्योगिक जगत की प्रतिष्ठित हस्ती पद्म भूषण डॉ. डी.आर. मेहता, उद्योग भूषण डॉ. गोविंदराम मित्तल, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. ताराचंद गोयल सहित अनेक प्रमुख व्यक्तित्वों का मार्गदर्शन और सहभागिता इस आयोजन को विशेष महत्व देगी।

**वित्तीय और औद्योगिक जगत के दिग्गजों का मिलेगा मार्गदर्शन**

सम्मेलन से संरक्षक एवं मार्गदर्शक के रूप में पद्म भूषण डॉ. डी.आर. मेहता,भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व उप-गवर्नर; उद्योग भूषण डॉ. गोविंदराम मित्तल, संस्थापक अध्यक्ष एसएसआई कोटा तथा लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. ताराचंद गोयल जुड़े हैं। राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से जुड़े डॉ. के.एल. जैन मुख्य सलाहकार की भूमिका निभा रहे हैं।

प्रमुख सलाहकारों में राजस्थान व्यापार एवं उद्योग महासंघ (फोर्टी) के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन के शीर्ष निकाय के अध्यक्ष विमल सिंघवी, एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र जैन, होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान एवं कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी, भारतीय रियल एस्टेट विकासकर्ता संघ परिसंघ के उपाध्यक्ष डॉ. के.सी. परवाल, अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ राजस्थान के उपाध्यक्ष महेश पालीवाल तथा रणनीतिक विचारक ज्योति कुमार कोठारी शामिल हैं।

डॉ. गोविंदराम मित्तल ने हाड़ौती की औद्योगिक क्षमता और स्थानीय उत्पादों को व्यापक राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया है। वहीं अशोक माहेश्वरी ने उद्योग, व्यापार और पर्यटन को एक मंच पर लाने की इस पहल को स्थानीय व्यवसायों के विस्तार तथा हाड़ौती के पर्यटन प्रचार के लिए महत्वपूर्ण बताया।

**कोटा पहुंचेंगे देशभर के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व**

निदेशक पीयूष गुप्ता एवं दर्शन कोठारी ने बताया कि सम्मेलन में पद्म भूषण डॉ. डी.आर. मेहता की सहभागिता की पुष्टि हो चुकी है। वे व्यवसाय में सामाजिक उत्तरदायित्व और समाज के प्रति उद्यमों की भूमिका पर अपने विचार रखेंगे। इसके अलावा कोटा के युवराज जयदेव सिंह, बीएनआई उत्तर भारत के प्रबंध निदेशक सुनील के. तथा बूंदी के महाराजा वंशवर्धन सिंह की सहभागिता भी सुनिश्चित है। उद्यमी मिथुन संचेती और गणपत एल. चौधरी सहित अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को भी आमंत्रित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से थाईलैंड की राजदूत को भी आमंत्रण भेजा गया है।

**63 विदेशी दूतावासों तक पहुंचा निमंत्रण, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंडप की तैयारी**

अमान खान व आयुष जैन ने बताया कि सम्मेलन में केवल देश के उद्योग और व्यापार जगत को ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक समुदाय को भी जोड़ने की तैयारी है। आयोजकों के अनुसार, औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रदर्शनी में सहभागिता के लिए 63 विदेशी दूतावासों एवं मिशनों को निमंत्रण भेजे गए हैं। एशियाई और अफ्रीकी देशों के साथ व्यापारिक संपर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंडप के माध्यम से आयात-निर्यात, विदेशी निवेश, व्यापारिक साझेदारी और पर्यटन क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशने की योजना है। प्रदर्शनी में विभिन्न कंपनियां अपने उत्पादों, सेवाओं, तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगी।

**कोटा के उद्योगों को मिलेगा राष्ट्रीय बाजार**

गोविंद राम मित्तल ने कहा कि कोटा एवं हाड़ौती क्षेत्र में कोटा स्टोन, रासायनिक एवं उर्वरक उद्योग, कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, लघु एवं मध्यम उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। समिट में इन क्षेत्रों के उद्यमियों को संभावित निवेशकों, डीलर्स, वितरकों, सप्लायर्स और बिजनेस पार्टनर्स से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।कोटा केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि उद्योग, व्यापार, निवेश, उद्यमिता और पर्यटन की व्यापक संभावनाओं वाला शहर है। समिट-2.0 इन संभावनाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के साथ कोटा और हाड़ौती के आर्थिक विकास को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। फेडरेशन ऑफ राजस्थान, कोटा डिवीजन के अध्यक्ष एवं कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी ने कहा कि इस तरह के आयोजन औद्योगिक, व्यापारिक एवं पर्यटन विकास को एक साथ गति देने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इससे स्थानीय उत्पादों एवं उद्योगों को प्रदर्शन का अवसर मिलेगा, वहीं हाड़ौती के पर्यटन स्थलों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार और प्रमोशन भी होगा। देशभर से आने वाले उद्यमियों को हाड़ौती के औद्योगिक उत्पादन, व्यापारिक गतिविधियों तथा यहां निवेश की संभावनाओं से परिचित कराया जा सकेगा।स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ना, नए उद्योगों को प्रोत्साहित करना, निवेश आकर्षित करना, युवाओं के लिए उद्यमिता के अवसर विकसित करना और पर्यटन आधारित रोजगार को बढ़ावा देना इसकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

**कोटा स्टोन से लेकर लघु एवं मध्यम उद्योगों तक, स्थानीय उद्योगों को मिलेगा राष्ट्रीय बाजार**

प्रतीक गुप्ता सम्मेलन में कोटा स्टोन, रसायन एवं उर्वरक, कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, विनिर्माण, लघु एवं मध्यम उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीकी और पेशेवर सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं को प्रस्तुत किया जाएगा।

स्थानीय उद्यमियों को अपने उत्पादों और सेवाओं के प्रदर्शन के साथ देशभर के विक्रेताओं, वितरकों, आपूर्तिकर्ताओं, निवेशकों और संभावित व्यावसायिक साझेदारों से सीधे संपर्क स्थापित करने का अवसर मिलेगा। वित्तीय सहयोग, नवाचार, नए बाजार और व्यावसायिक विस्तार पर विशेषज्ञ सत्र एवं संवाद भी आयोजित होंगे।

**चंबल रिवर फ्रंट से गढ़ पैलेस तक, राष्ट्रीय मंच पर दिखेगी हाड़ौती की विरासत**

आयुष जैन ने बताया कि सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य हाड़ौती की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को देशभर के उद्यमियों एवं निवेशकों के सामने प्रस्तुत करना भी है। कोटा बैराज, चंबल रिवर फ्रंट, गढ़ पैलेस, किशोर सागर, सेवन वंडर्स, ऐतिहासिक दुर्गों, महलों और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के माध्यम से क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को रेखांकित किया जाएगा। होटल, रिसॉर्ट, अतिथि सत्कार और यात्रा व्यवसायों में निवेश एवं व्यावसायिक विस्तार की संभावनाओं पर भी चर्चा होगी। पर्यटन विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में संवाद किया गया है। आयोजकों के अनुसार, हाड़ौती की विरासत और पर्यटन को प्रदर्शित करने के लिए विभाग की मौखिक सहमति प्राप्त हुई है तथा औपचारिक सहभागिता की प्रक्रिया जारी है।

**प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक संगठनों का मिलेगा सहयोग**

इस आयोजन में लघु उद्योग भारती, राजस्थान वाणिज्य एवं उद्योग मंडल, राजस्थान व्यापार एवं उद्योग महासंघ, अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ राजस्थान, राजस्थान नियोजक संघ, होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, कोटा व्यापार महासंघ तथा नवाचार आधारित उद्यमों एवं उद्योगों के महासंघ जैसे संगठनों का सहयोग और सहभागिता महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन संगठनों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक एवं व्यावसायिक समुदायों को जोड़ने तथा सम्मेलन की पहुंच को व्यापक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

**बीएनआई की टीम जुटी तैयारियों में**

सम्मेलन की कार्यकारी समिति में बीएनआई कोटा के कार्यकारी निदेशक प्रियांक गुप्ता, पीयूष गुप्ता एवं दर्शन कोठारी शामिल हैं। इनके नेतृत्व में आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

बीएनआई चंबल की नेतृत्व टीम के अध्यक्ष अमान खान, उपाध्यक्ष आयुष जैन एवं सचिव प्रतीक गुप्ता भी आयोजन के समन्वय, व्यावसायिक सहभागिता, प्रचार-प्रसार और संचालन की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बीएनआई कोटा के सदस्य अपने व्यावसायिक संपर्कों और नेटवर्क के माध्यम से देशभर के उद्यमियों को आयोजन से जोड़ने में जुटे हैं।

संक्षिप्त समाचार

## चीन में अधिकारी को मौत की सजा: पहले दोस्ती, फिर धमकी; विदेशी खुफिया एजेंट ने जासूसी के लिए कैसे फंसाया

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन में एक अधिकारी को किसी दूसरे देश के लिए जासूसी करने के मामले में मौत की सजा सुनाई गई है। उसने देश के गोपनीय दस्तावेज और जानकारी विदेशी खुफिया एजेंसी को दी थी। सरकारी संस्था से जुड़ी एक प्रकाशन कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। गोल्ड वॉल प्रेस नाम की इस कंपनी का संबंध चीन के राष्ट्रीय गोपनीयता संरक्षण प्रशासन से है। कंपनी ने बताया कि दोषी अधिकारी का उपनाम मा था। वह विदेश में काम कर रहा था। इसी दौरान एक विदेशी खुफिया एजेंसी ने उससे संपर्क किया। एजेंसी ने उसे अपने लिए काम करने के लिए तैयार किया। चीन की अदालतें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी आमतौर पर सार्वजनिक नहीं करतीं। लेकिन अब ऐसे मामले सामने आने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से चीन का राज्य सुरक्षा मंत्रालय और गोल्ड वॉल प्रेस ऐसे मामलों की जानकारी ज्यादा देने लगे हैं। ये संस्थाएं गिरफ्तारी की जानकारी देती हैं। साथ ही, सोशल मीडिया, फिल्म और कॉमिक्स के जरिये भी लोगों को जासूसी के खतरे के बारे में चेतावनी देती हैं।

## शेख हसीना 16 दिसंबर को लौटेंगी बांग्लादेश

**ढाका,एजेंसी।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 16 दिसंबर को अपने देश लौटने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने राष्ट्रीय विमानन कंपनी बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस से दिल्ली से उड़ान की मांग की है। उनकी प्रस्तावित वापसी मृत्युदंड, प्रत्यर्पण अनुरोध और बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। यह पहली बार है जब उन्होंने अपनी वापसी की तारीख तय की है। बांग्लादेश में राजनीतिक और कानूनी तनाव लगातार बढ़ रहा है। 16 दिसंबर बांग्लादेश में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह 1971 में पाकिस्तान से देश की मुक्ति का प्रतीक है। हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री इस अवसर पर ढाका लौटना चाहती हैं। हसीना 15 साल के शासन को समाप्त करने वाले छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद देश छोड़कर भागी थीं। वह दो साल से अधिक समय पहले भारत में निर्वासन में चली गई थीं। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से दिल्ली से उनके परिवहन की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। उनका तर्क है कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनकी वापसी में सहायता करे। यह घोषणा हसीना द्वारा नए बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) मांगने के हफ्तों बाद आई है। उन्होंने अपनी वापसी को सुविधाजनक बनाने के लिए ये दस्तावेज मांगे थे। अगस्त 2024 में भारत भागने के बाद उनके मौजूदा दस्तावेज रद कर दिए गए थे। उनके कानूनी प्रतिनिधियों, लंदन स्थित मैट्रिक्स चैंबर्स ने 9 नवंबर को बांग्लादेश हाई कमीशन से संपर्क किया। उन्होंने नई दिल्ली में दस्तावेज के जारी करने की मांग की थी।

## स्टॉर्मी डेनियल्स हश मनी केस: ट्रंप को सजा रद्द कराने का नया रास्ता मिला

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी मामले में अपनी आपराधिक सजा रद्द कराने की दिशा में नया कानूनी रास्ता मिल गया है। संघीय अपील अदालत ने सोमवार को मामले को न्यूयॉर्क की राज्य अदालत से संघीय अदालत में स्थानांतरित करने का रास्ता खोल दिया। इससे ट्रंप को राष्ट्रपति पद से जुड़ी कानूनी छूट का आधार लेकर अपनी दोषसिद्धि रद्द कराने की मांग करने का मौका मिल सकता है। दूसरी अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें ट्रंप के मामले को राज्य अदालत में ही रखने का निर्णय दिया गया था। इसी अदालत में ट्रंप पर 34 गंभीर आपराधिक आरोपों में मुकदमा चला था और उन्हें दोषी ठहराया गया था। मामला वयस्क फिल्मों की अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स को दिए गए 1.30 लाख डॉलर के भुगतान को छिपाने के लिए कारोबारी रिकॉर्ड में हेराफेरी से जुड़ा है।

**निचली अदालत को जल्द फैसला देने का निर्देश**

अपील अदालत ने निचली अदालत को जल्द फैसला करने का निर्देश दिया है कि मामले को संघीय अदालत में रखा जाना चाहिए या नहीं। यदि मामला संघीय अदालत में जाता है, तो ट्रंप यह दलील दे सकते हैं कि राष्ट्रपति पद से जुड़े कार्यों के लिए मिली कानूनी छूट के आधार पर उनकी दोषसिद्धि रद्द की जाए। इस फैसले के बाद न्यूयॉर्क की राज्य अदालत में ट्रंप की ओर से दायर समानांतर अपील की कार्यवाही भी रुक गई है। ट्रंप ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है।

# जंग का खामियाजा सभी देश बराबर नहीं भुगतते, भारत ने याद दिलाया 1943 का बंगाल अकाल

**संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।** भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 1943 के बंगाल के अकाल का जिक्र किया। भारत ने बताया कि दुनिया में होने वाली जंगों का असर सभी देशों पर एक जैसा नहीं पड़ता। विकासशील देशों को इसकी सबसे ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। भारत ने यूक्रेन युद्ध के कारण खाद्य संकट रोकने के लिए कदम उठाने की मांग भी की। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय बैठक में यह बात कही। सुरक्षा परिषद की बैठक का विषय था- ऊर्जा के अहम ढांचे और वैश्विक खाद्य आपूर्ति के लिए काला सागर के समुद्री रास्तों की सुरक्षा। पर्वतनेनी ने कहा, दुनिया में होने वाले संघर्षों के कारण कई देशों में भोजन, ईंधन, खाद और ऊर्जा की कमी हो रही है। इसका सबसे ज्यादा असर विकासशील देशों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, भारत लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि युद्ध की कीमत सभी देश बराबर नहीं चुकाते। उन्होंने आगे कहा, आज के वैश्विक संघर्षों के कारण पैदा हुए भोजन, ईंधन और खाद संकट से वैश्विक दक्षिण के देश सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

**बंगाल में अकाल का जिक्र क्यों किया :** हरीश पर्वतनेनी ने 1943 के बंगाल अकाल का भी जिक्र किया। इस अकाल में 30 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।



उन्होंने कहा, यह अकाल आज भी युद्ध के खौफनाक मानवीय नुकसान की याद दिलाता है। दूर किसी दूसरे देश में जारी युद्ध का असर भी आम लोगों पर पड़ सकता है। युद्ध के दौरान बिना रोक-टोक लिए गए फैसले और प्राथमिकताएं इसके लिए जिम्मेदार हो सकती हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया के सभी देश एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसे में यूक्रेन युद्ध का असर हर जगह महसूस किया जा रहा है। यह युद्ध अब पांचवें साल में पहुंच चुका है।

**भारत ने युद्ध खत्म करने के लिए क्या कहा :** राजदूत पर्वतनेनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को भी याद किया। उन्होंने कहा, दुनिया को लगातार चलने वाले युद्धों से आगे बढ़कर युद्ध खत्म करने की दिशा में जाना होगा। उन्होंने दोहराया कि भारत इस संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के सभी प्रयासों में योगदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ मजबूती से खड़े हैं। मोदी ने साफ कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है।

**युद्ध से खाद्य संकट कैसे बढ़ता है :** भारत ने चिंता जताई कि जंग के कारण खाद्य संकट और बढ़ जाता है। इससे खेती प्रभावित होती है। लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर होते हैं। जरूरी ढांचे को नुकसान पहुंचता है। राहत पहुंचाने में भी मुश्किलें आती हैं। जंग का असर केवल संघर्ष वाले इलाकों तक सीमित नहीं रहता। इससे ऊर्जा, खाद, परिवहन और कृषि व्यापार की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान वैश्विक दक्षिण के देशों को होता है। पर्वतनेनी ने कहा, वैश्विक दक्षिण के लिए शांति कोई काल्पनिक बात नहीं है। यह तब हासिल होती है, जब भूखे लोगों को खाना मिलता है, जब कोई जहाज बंदरगाह तक पहुंचता है और जब कोई नाविक सुरक्षित अपने घर लौटता है। भारत ने सुरक्षा परिषद से अपील की कि वह कुछ बातों को प्राथमिकता दे। इनमें मानवीय सहायता पहुंचाना, आम लोगों के जरूरी ढांचे की सुरक्षा और समुद्री रास्तों पर आवाजाही की आजादी शामिल है। भारत ने कहा, राहत सामग्री की आपूर्ति और वैध व्यापार में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। पर्वतनेनी ने कहा, भारत के लिए बातचीत और कूटनीति, सुरक्षित व्यापारिक जहाजरानी और अनाज तथा ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति व्यावहारिक जरूरतें हैं।

**दूसरे विश्व युद्ध और बंगाल अकाल का जिक्र क्यों किया :** पर्वतनेनी ने कहा, मौजूदा हालात दूसरे विश्व युद्ध के समय जैसे ही हैं। उस समय भी युद्ध शुरू करने के लिए जिम्मेदार नहीं रहे लोगों को इसका नुकसान उठाना पड़ा था। उन्होंने कहा, यह मौजूदा स्थिति दूसरे विश्व युद्ध के समय से अलग नहीं है। उस समय भी संघर्ष शुरू करने के लिए जिम्मेदार नहीं रहे लोगों को अनजाने में इसका खामियाजा भुगतना पड़ा था। उन्होंने 1943 के बंगाल अकाल का फिर जिक्र किया।

उन्होंने कहा, भारत में 1943 के विनाशकारी बंगाल अकाल के कारण हुई पीड़ा और तकलीफ दूर किसी संघर्ष के कारण होने वाले खौफनाक मानवीय नुकसान की स्पष्ट याद दिलाती है, जिसमें 30 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। यह नुकसान युद्ध के दौरान बिना रोक-टोक लिए गए फैसलों और प्राथमिकताओं के कारण हुआ। उन्होंने कहा, इन्हीं गंभीर नतीजों के कारण भारत खाद्य असुरक्षा को रोकने को इतनी अहमियत देता है।

**वैश्विक खाद्य आपूर्ति में काला सागर कितना अहम है :** पर्वतनेनी ने कहा, काला सागर के समुद्री मार्गों और दुनिया की खाद्य आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर भारत की प्रतिबद्धता एक अहम वजह पर आधारित है। यह क्षेत्र भारत की तरह दुनिया के प्रमुख खाद्य उत्पादन क्षेत्रों में से एक है।

# खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में खुलासा, नाटो देशों की बढ़ी बेचैनी

**बर्लिन, एजेंसी।** जर्मन अखबार सुडड्यूश जिटुंग और पब्लिक ब्रॉडकास्टर एनडीआर व डब्लूडीआर की एक संयुक्त जांच के अनुसार, पश्चिमी खुफिया एजेंसियों और सैन्य आकलन बताते हैं कि रूस इस साल के अंत से पहले अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने की योजना बना रहा है।

**रिपोर्ट में क्या बताया गया :** सुडड्यूश जिटुंग की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में कई नाटो देशों के साथ साझा की गई इन जानकारियों से पता चलता है कि मॉस्को इस साल ही परमाणु विस्फोटकों से लैस एक उपग्रह (सैटेलाइट) लॉन्च करने की तैयारी में है। जर्मन अखबार के अनुसार, इस आकलन को पश्चिमी खुफिया एजेंसियों और रक्षा अधिकारियों का समर्थन मिला है, जिनमें जर्मन सशस्त्र बल (बुंडेसवेहर) और जर्मनी की संघीय खुफिया सेवा (बीएनडी) शामिल हैं।

**रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा :** हाल के हफ्तों में, बुंडेसवेहर (जर्मन सशस्त्र बलों) के विशेषज्ञों ने रूस की योजनाओं के बारे में वरिष्ठ जर्मन राजनेताओं को जानकारी दी है। इनमें सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस भी शामिल हैं। सुडड्यूश जिटुंग की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी के संघीय रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने गोपनीयता का हवाला देते हुए कहा कि अधिकारी अंतरिक्ष में हो रही वैश्विक घटनाओं और अन्य देशों की गतिविधियों पर लगातार और बारीकी से नजर रख रहे हैं।

इस बीच, रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने बताया है कि रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा है कि यूक्रेन और नाटो के कदमों ने ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं, जिनमें मॉस्को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर विचार कर सकता है।

**रूस क्या आकलन करना चाहता है :** टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, मॉस्को जर्नल ऑफ इंटरनेशनल लॉ में राज्य की संप्रभुता और परमाणु हथियारः राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के अंतरराष्ट्रीय कानूनी पहलू शीर्षक वाले एक लेख में मेदवेदेव ने लिखा है कि किसी भी हमले को अधिकृत करने से पहले, रूस यह आकलन करता है कि क्या परमाणु जवाब, हुए नुकसान के अनुपात में है या नहीं।

टीएएसएस के अनुसार, मेदवेदेव ने कहा, कई मामलों में, हमारे खिलाफ एकजुट होकर खड़े पक्षों (यूक्रेन, नाटो देश और गठबंधन के बाहर के कई पश्चिमी देश) ने पहले ही ऐसी स्थितियां पैदा कर दी हैं, जिनमें रूस परमाणु हमला करने की संभावना पर विचार कर सकता है। हालांकि, टीएएसएस ने बताया कि मेदवेदेव ने निर्णय लेने की प्रक्रिया में संयम बरतने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति हमेशा सभी कारकों के व्यापक विश्लेषण और वास्तव में हुए नुकसान तथा जवाबी कार्रवाई के बीच उचित संतुलन को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाते हैं।

## अमेजन के जंगल में 11 दिन भटकता रहा बुजुर्ग, रेस्क्यू टीम ने अल्जाइमर से पीड़ित को निकाला

**रियो डी जनेरियो, एजेंसी।** ब्राजील के अमेजन वर्षावन में 11 दिन तक अकेले जीवित रहने के बाद एक बुजुर्ग व्यक्ति को बचाया गया है। अल्जाइमर से पीड़ित यह व्यक्ति अब मकापा शहर के एक अस्पताल में ठीक हो रहा है। बचाव कर्मियों ने उनकी इस आश्चर्यजनक कहानी का विवरण साझा किया है। 74 वर्षीय जनारिनो फरेरा डोस सैंटोस को पार्क रेंजरों और स्वयंसेवकों ने शुक्रवार को बचाया। उन्हें पूर्वोत्तर ब्राजील के मकापा से करीब 10 किलोमीटर दूर घने वर्षावन से निकाला गया।

बचाव कर्मियों ने बताया कि डोस सैंटोस जामुन खाकर और प्राकृतिक स्रोतों से पानी पीकर जीवित रहे। उन्होंने रात में आराम करने के लिए अकाई ताड़ के पत्तों से बिस्तर जैसी संरचनाएं भी बनाईं। पार्क रेंजर एनियल कार्डोसो ने बताया कि युवावस्था में डोस सैंटोस ने वर्षावन में काम किया था। इसलिए उन्हें जंगल में घूमना आता था। कार्डोसो और स्वयंसेवकों ने डोस सैंटोस के पैरों के निशान देखकर उन्हें खोजा। उन्होंने पाया कि वह गोल-गोल घूम रहे थे। पैरों के निशान का पीछा करते हुए बचाव दल को अकाई पत्तों से बना एक बिस्तर मिला। यह बिस्तर कम से कम चार दिन पुराना लग रहा था।

बाद में उन्हें एक और बिस्तर मिला जिसके पत्ते उसी सुबह ताड़ के पेड़ से तोड़े गए थे। कार्डोसो ने कहा कि तभी उन्हें लगा कि वह जीवित हो सकते हैं और पास ही होंगे। बचाव दल को डोस सैंटोस जंगल के घने हिस्से में मिले। वह नंगे पैर और केवल अंतर्वस्त्र पहने बैठे थे। कार्डोसो ने बताया कि डोस सैंटोस बात नहीं कर पा रहे थे। वह चल भी नहीं पा रहे थे और उन्हें बहुत प्यास लगी थी। इस खोज अभियान में परिवार के सदस्य, स्वयंसेवक और सार्वजनिक सुरक्षा दल शामिल थे। उन्हें जंगल में कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। अग्निशमन कर्मियों और विशेष टीमों ने जमीन पर खोज की। हेलीकॉप्टर और ड्रोन से भी निगरानी की गई। लापता व्यक्ति के संकेतों के लिए थर्मल कैमरों का भी उपयोग किया गया।

# पाकिस्तान में भी लगे भूकंप के झटके: 4.1 रही तीव्रता; जमीन से 17 किलोमीटर नीचे था केंद्र

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में मंगलवार सुबह भूकंप आया। इसकी तीव्रता 4.1 थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप सुबह 7 बजकर 46 मिनट 31 सेकंड पर आया। भूकंप का केंद्र 28.221 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 66.777 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। इसकी गहराई जमीन से 17 किलोमीटर नीचे थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। फिलहाल इस जानकारी में किसी तरह के जान-माल के नुकसान का जिक्र नहीं है।

इससे पहले रविवार (22 नवंबर) को भी पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यह भूकंप पाकिस्तान में अफगानिस्तान सीमा के पास आया। इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया था कि




भूकंप का केंद्र अक्षांश 32.794ए उत्तर और देशांतर 69.745ए पूर्व पर था। एनसीएस ने इस घटना को समीक्षा की गई श्रेणी में रखा।

मंगलवार को दक्षिण एशिया के कई देशों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इनमें भारत, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान शामिल हैं। नेपाल में सर्वाधिक 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। धरती के भीतर सात प्लेट्स हैं, जो लगातर घूमती रहती हैं। जिस स्थान पर प्लेट्स की टक्कर होती है, उस जगह को फॉल्ट लाइन कहा जाता है। पृथ्वी के अंदर स्थित टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने, आपस में टकराने या रगड़ खाने से ऊर्जा उत्पन्न होती है। जब प्लेटों के टकराने से ज्यादा ऊर्जा निकलती है, तो धरती की सतह पर कंपन पैदा होता है। जिस स्थान पर प्लेट्स टकराती हैं, उस स्थान पर सबसे अधिक भूकंप का असर होता है। लेकिन जब भूकंप की तीव्रता अधिक होती है तो इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए जाते हैं। वैज्ञानिक भूकंप की तीव्रता मापने के लिए रिक्टर स्केल का इस्तेमाल करते हैं। जब भूकंप आता है, पृथ्वी के नीचे से ऊर्जा तरंगे बाहर आती हैं। उन्हें रिक्टर स्केल से मापा जाता है। इसके बाद ही यह पता लगता है कि भूकंप की तीव्रता कितनी थी और इसका केंद्र कहां पर था। भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है। अगर भूकंप आता है, तो आप घर के अंदर हैं और बाहर नहीं निकल सकते हैं तो किसी मजबूत टेबल या किसी फर्नीचर के नीचे छिप जाएं। हालांकि, कंपन कम होने पर या बंद होने पर धीरे-धीरे घर से बाहर जरूर निकल जाएं।

# कनाडा के बिजनेसमैन और उनकी पार्टनर की हत्या के मामले में दो अमेरिकियों को उम्रकैद, डोमिनिका में सुनाई गई सजा

**रोसेउ , एजेंसी।** कैरेबियाई देश डोमिनिका की एक अदालत ने साल 2023 में हुए कनाडाई बिजनेसमैन डैनियल लैंगलोइस और उनकी पार्टनर डोमिनिक मार्चंड की हत्या मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी रोसेउ की अदालत ने सोमवार को दो अमेरिकी नागरिकों जोनाथन लेहरर और रॉबर्ट स्नाइडर जूनियर को दो-दो बार उम्रकैद की सजा सुनाई है। जज ने इन हत्याओं को बिना किसी उकसावे के किया गया हमला बताया और कहा कि यह मामला दुर्लभ से भी दुर्लभ (रेयरेस्ट ऑफ द रेयर) की श्रेणी में आता है। दोनों दोषियों को हत्याओं के कुछ दिन बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया था और इस साल 28



जुलाई को अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था। हालांकि, दोषियों के वकील ने इस फैसले के खिलाफ अपील करने की बात कही है।

**क्या था पूरा मामला :** डैनियल लैंगलोइस ने मॉन्ट्रियल स्थित सॉफ्टइमेज नाम की कंपनी की स्थापना की थी। यह कंपनी अपनी 3ष्ठ एनीमेशन तकनीक के लिए जानी जाती है। जिसका इस्तेमाल जुरासिक पार्क, द मैट्रिक्स और टाइटैनिक जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्मों में किया गया है। वह और उनकी पार्टनर मार्चंड दक्षिणी डोमिनिका में कौलीबरी रिजनाम के एक इको-रिसॉर्ट के मालिक भी थे। यह जोड़ा कई दिनों से लापता था। 1 दिसंबर 2023 को रिसॉर्ट के पास गैलियन इलाके में एक जली हुई कार के अंदर उनके शव मिले। न्यू जर्सी में जन्मे चॉकलेट निर्माता लेहरर की जमीन रिसॉर्ट के बगल में थी, जबकि मैकेनिक स्नाइडर उनके लिए काम करता था। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, लेहरर और लैंगलोइस के बीच रिसॉर्ट तक जाने वाली एक सड़क को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था, जो लेहरर की जमीन से होकर गुजरती थी और रिसॉर्ट तक जाने का रास्ता थी। साल 2019 में, एक जज ने लेहरर को आदेश दिया था कि वह इस सड़क को आम लोगों के लिए खुला रखे और यह सुनिश्चित करे कि लैंगलोइस के पास आने वाले लोग बिना किसी रोक-टोक के इसका इस्तेमाल कर सकें। हालांकि, लेहरर के परिवार के प्रतिनिधियों ने इस बात से इनकार किया है कि सड़क को लेकर चल रहा विवाद इन हत्याओं की वजह था। पिछले हफ्ते परिवार की प्रवक्ता सिल्वी डेस्लौरियर्स ने लैंगलोइस की मां की ओर से एक भावुक बयान जारी किया। " और उनकी मौत के लगभग तीन साल बाद परिवार उन्हें अंतिम विदाई दे सका है।

## दक्षिण कोरिया के डिफेंस जोन में घुसे रूसी विमान; द्वीप पर 3 मिनट में अलर्ट जारी, लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर जाने का आदेश



**सोल , एजेंसी।** दक्षिण कोरिया ने रूसी विमानों के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद अलर्ट जारी किया सियोल, 24 नवंबर (एपी) रूस के कई विमानों ने कोरियाई प्रायद्वीप एवं जापान के बीच समुद्री क्षेत्र के ऊपर दक्षिण कोरिया के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में उड़ान भरी जिसके बाद देश के पूर्वी हिस्से में स्थित एक द्वीप पर अलर्ट जारी किया गया।

दक्षिण कोरिया की सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पहले जारी खबरों में कहा गया था कि विमानों ने देश के संप्रभु हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया लेकिन दक्षिण कोरियाई सेना ने बाद में इन खबरों में संशोधन कर कहा कि विमानों ने उसके हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित वह क्षेत्र होता है जिसमें उड़ान भरने वाले विमानों की पहचान और उनकी गतिविधियों की निगरानी की जाती है। यह क्षेत्र किसी देश के संप्रभु हवाई क्षेत्र से बाहर अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र तक भी फैला हो सकता है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने अपने बयान में गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय तथा स्थानीय प्रांतीय सरकार की ओर से पहले दी गई उस जानकारी में सुधार किया जिसमें कहा गया कि विदेशी विमानों ने दक्षिण कोरिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया और ये विमान संभवतः रूस या उत्तर कोरिया के थे। सुरक्षा मंत्रालय ने सुबह करीब सात बजकर 52 मिनट पर उल्लुंग द्वीप के निवासियों को भूमिगत केंद्रों या इमारतों में शरण लेने का आदेश दिया लेकिन तीन मिनट बाद यह कहते हुए आदेश वापस ले लिया कि विमान खतरे वाले क्षेत्र से बाहर चले गए हैं। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि रूसी विमानों के वहां से जाने से पहले दक्षिण कोरिया ने हर प्रकार की संभावित स्थिति से निपटने के लिए अपने लड़ाकू विमान रवाना किए थे। उन्होंने तत्काल यह नहीं बताया कि कितने रूसी विमानों का पता चला था और वे किस प्रकार के विमान थे। वर्ष 2022 में भी उल्लुंग द्वीप के निवासियों में उस समय दहशत फैल गई थी, जब दोनों कोरियाई देशों के बीच बढ़ते तनाव के मध्य उत्तर कोरिया ने समुद्र में 20 से अधिक मिसाइल दागी थीं।

# एनवीडिया मुख्यालय पहुंचे हुआंग: कर्मचारियों ने तालियों और नारों से किया स्वागत; मस्क बोले- सब चाहते थे वापसी

**कैलिफोर्निया, एजेंसी।** एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग की कंपनी में वापसी पर कर्मचारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। कैलिफोर्निया स्थित कंपनी के मुख्यालय पहुंचने पर कर्मचारियों ने जेनसन के लिए तालियां बजाईं और नारे भी लगाए। हुआंग की बहाली पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया में उनके जानने वाले सभी कर्मचारी हुआंग की वापसी चाहते थे। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें एनवीडिया के कर्मचारी हुआंग का स्वागत करते दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, एनवीडिया में जिन लोगों को मैं जानता हूं, वे सभी जेनसन को वापस चाहते थे और यह वीडियो सब कुछ दिखा रहा है।

**पहले किया इनकार, फिर एनवीडिया ने दोबारा बनाया सीईओ :** एनवीडिया ने सोमवार को घोषणा की थी कि जेनसन हुआंग को तत्काल प्रभाव से कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर बहाल कर दिया गया है। उन्हें निदेशक मंडल में भी फिर से शामिल किया गया है। कंपनी के बोर्ड ने बयान में बताया कि हुआंग के साथ कई दौर की बातचीत और बैठकों के बाद सर्वसम्मति से उनकी बहाली का



फैसला लिया गया। बोर्ड ने उनके स्पष्ट विचार रखने के तरीके और कंपनी का नेतृत्व करने की क्षमता पर भरोसा जताया।

**मस्क और ट्रंप ने फैसले का किया समर्थन :** हुआंग की वापसी पर एलन मस्क ने इससे पहले भी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि गलती सुधार ली गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी एनवीडिया के फैसले को शानदार बताया और कंपनी को बधाई दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि एनवीडिया ने एक बहुत अच्छा फैसला लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन से जुड़े आरोपों के बीच उन्होंने कंपनी के निदेशक मंडल को हुआंग की स्थिति को लेकर पर्याप्त आश्वासन दिया था। अमेरिकी समाचार चैनल सीएनबीसी से बातचीत में ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने बोर्ड को आश्वासन दिया था कि हुआंग के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। इस पर ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अभियोजन शब्द का इस्तेमाल नहीं किया था, लेकिन यह जरूर बताया था कि प्रशासन के मुताबिक हुआंग बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने बोर्ड को पर्याप्त भरोसा दिया था।

**डेमोक्रेटिक नेता ने फैसले की आलोचना की :** हालांकि, अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक नेता और प्रतिनिधि सभा के संभावित स्पीकर हकीम जेफ्रीज ने हुआंग की बहाली की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस फैसले को अनुचित, गैर-जिम्मेदाराना और समझ से परे बताया। जेफ्रीज ने कहा कि कांग्रेस एनवीडिया के कथित कारोबारी अनियमितताओं और वाणिज्य विभाग के प्रमुख हॉवर्ड लुटनिक के कथित तौर पर सत्ता के दुरुपयोग की व्यापक जांच से पीछे नहीं हटेगी। एक्स पर जारी बयान में जेफ्रीज ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन निजी आर्थिक लाभ के लिए अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से समझौता कर रहा है। जेफ्रीज ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में कड़े निर्यात नियंत्रण प्रावधान शामिल करने की मांग भी की। उनका कहना है कि शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का इस्तेमाल चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और अन्य विरोधी ताकतों की ओर से नहीं किया जाना चाहिए।

## रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी और नेपोली के बीच मैच ड्रॉ



**मैनचेस्टर ।** मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग के मुकाबले में नेपोली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। रेयान चेर्की के 86वें मिनट में किए गए गोल से सिटी घर में हार से बच सकी। सिटी इस मैच में दो बार पिछड़ी, लेकिन दोनों बार वापसी करते हुए एक अंक हासिल किया। इस ड्रॉ से सिटी की हालिया खराब फॉर्म को लेकर चिंता कम नहीं हुई है। टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले सात मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। मेजबान टीम ने अटैकिंग अंदाज में शुरुआत की। इलियट एंडरसन ने शुरुआती दो मिनट में ही नेपोली के गोलकीपर वांजा मिलिंकोविक-सैविक को परखा। इसके बाद निको ओ'रेली का हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। शुरुआती दबाव के बाद नेपोली ने धीरे-धीरे मैच में पकड़ बनाई। सिटी के पूर्व मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने मेहमान टीम के अटैक को संभाला। हाफटाइम से ठीक पहले सैम बेउकेमा के हेडर को जियानलुइगी डोनारुम्मा ने शानदार सेव कर बचा लिया। 55वें मिनट में नेपोली ने बढ़त बना ली। रैसमस होजलुंड ने मार्क गुएही को पीछे छोड़ते हुए दमदार लो शॉट से डोनारुम्मा को छकाया। सिटी के कोच ने जेरेमी डोकू को मैदान में उतारा और इसका फौरन फायदा मिला। डोकू के बनाए मौके पर अय्यूब बौआदी ने 66वें मिनट में सिटी के लिए अपना पहला गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, 10 मिनट बाद ही नेपोली ने फिर बढ़त ले ली। लियोनार्डो स्पिनाजोला के क्रॉस पर नोआ लैंग ने शानदार वॉली मारी, जिस पर डोनारुम्मा के पास कोई मौका नहीं था। 79वें मिनट में जोस्को ग्वार्डिओल का शॉट वुडवर्क से टकरा गया, लेकिन आखिरकार 86वें मिनट में चेर्की ने शानदार फिनिश करते हुए सिटी को 2-2 की बराबरी दिला दी। देर से मिले गोल ने सिटी को घर में हार से तो बचा लिया, लेकिन शुरुआती दबदबे को जीत में न बदल पाना उनकी लगातार जारी मुश्किलों को दिखाता है।

## सुपर 90: चौथा सीजन अगले माह, 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे

**नैरोबी ।** पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिस गेल, शाकिब अल हसन, जेसन रॉय, एलेक्स हेल्स, तिलकरत्ने दिलशान, शॉन मार्श, फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट 3 दिसंबर को केन्या के नैरोबी में शुरू होने वाले सुपर 90 सीजन 4 में मुख्य आकर्षण होंगे। टूर्नामेंट के चौथे एडिशन में कई जाने-माने इंटरनेशनल क्रिकेटरों वाली सात फ्रेंचाइजी एक साथ आएंगी, जिससे 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। इस कॉम्पिटिशन में 22 मैच होंगे। फाइनल 14 दिसंबर को होगा। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल पंजाब टाइटन्स के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन लंदन जायंट्स के लिए खेलेंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय और एलेक्स हेल्स क्रमशः मेरू थंडर्स और नैरोबी लायंस की तरफ से खेलेंगे। श्रीलंका के पूर्व कप्तान तिलकरत्ने दिलशान भी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर शॉन मार्श के साथ टूर्नामेंट में अपना अनुभव लेकर आएंगे। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट इंटरनेशनल लाइनअप को और मजबूत करेंगे। टूर्नामेंट में कई और जाने-माने इंटरनेशनल नाम भी होंगे, जिनमें एविन लुईस, क्रिस लिन, इमाद वसीम, महमूदुल्लाह, वेन पार्नेल, रवि बोपारा, अंबाती रायुडू, मिशेल जॉनसन और समित पटेल शामिल हैं, जो हिस्सा लेने वाली टीमों में और गहराई और अनुभव जोड़ेंगे। शुरुआती मैच में पंजाब टाइटन्स का मुकाबला 3 दिसंबर को नैरोबी जिमखाना क्रिकेट क्लब में दिल्ली रॉयल्स से होगा। नैरोबी लायंस का मुकाबला 4 दिसंबर को लंदन जायंट्स से होगा, जबकि दिल्ली रॉयल्स उसी दिन बाद में हरियाणा वॉरियर्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी लंदन जायंट्स का मुकाबला 5 दिसंबर को एल्डोरेट टाइगर्स से होगा, जबकि मेरू थंडर्स उसी दिन पंजाब टाइटन्स के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगी।

## हेनरी बोले- डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं

**नई दिल्ली ।** भारत के साथ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी पूरी तरह प्रभावहीन रहे थे। डफी ने 33 ओवर में 201 रन लुटाकर महज 1 विकेट लिया था। इस प्रदर्शन के बाद आलोचना का शिकार हुए डफी को टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मैट हेनरी का समर्थन मिला है। मैट हेनरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'जैकब डफी एक 'क्लासी बॉलर' हैं। उन्होंने इतने सालों में दिखाया है कि वह पूरी तरह से टीम के बारे में सोचते हैं। जब हम सुझाव देते हैं कि शायद हम यहां एक प्लान बनाएं, तो वह अपने निजी आंकड़ों के बारे में चिंतित नहीं होते।' हेनरी ने कहा, 'डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए, ऐसे पल थे जब हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो एक अलग प्लान आजमा सके, और वह ऐसा करने के लिए तैयार था। मुझे लगता है कि शायद यही टीम की क्वालिटी है। यह नतीजे की चिंता नहीं है, बल्कि यह है कि आप गेम पर कैसे असर डालने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में यह दिखा है, उसके ऐसे माइंडसेट की वजह से उसके असर मैच जिताने वाले रहे हैं। इसलिए हम उसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं।'



उन्होंने कहा कि बेसिन रिजर्व पर गेंद बहुत कम स्लिप तक जा पाती थी। इस वजह से डफी को आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर फेंकने के लिए कहा गया था और उन्होंने यही किया। जैकब डफी का नाम न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट के बेहतरीन गेंदबाजों के तौर पर लिया जाता है। दाएं हाथ का मध्यम गति का यह तेज गेंदबाज 5 टेस्ट में 26, 27 वनडे में 49 और 52 टी20 में 67 विकेट ले चुका है। न्यूजीलैंड को क्राइस्टचर्च में भारत के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में डफी से वेलिंगटन वाले प्रदर्शन को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

# वैभव सूर्यवंशी के तूफानी दोहरे शतक की दुनियाभर में चर्चा, हिल गई रिकार्ड बुक

**नई दिल्ली ।** 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के तूफानी 'दोहरे शतक' की मदद से भारत-ए ने मंगलवार को यूएई के खिलाफ 7 विकेट से दमदार जीत दर्ज की। इस दौरान वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक, सबसे तेज 150 रन और सबसे तेज दोहरे शतक के साथ सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने हरप्रीत सिंह भाटिया (130) की शतकीय पारी की मदद से 8 विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। इस पारी में अरशद खान ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। इसके बाद वैभव ने तूफानी पारी खेलकर भारतीय टीम को महज 14.2 ओवरों में जीत दिला दी। यूएई के खिलाफ महज 28 गेंदों में शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मंगलवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में वैभव ने 53 गेंदों में 7 चौकों और 28 छक्कों के साथ 204 रन कूटे। इसी के साथ वैभव ने साउथ अफ्रीका के जेक फ्रेजर-मैकगर्क का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2023 में तस्मानिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक पूरा किया था। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स हैं, जिन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 31 गेंदों में यह कारनामा किया था। बिहार की तरफ से खेलते हुए सकीबुल गनी ने साल 2025 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों में शतक पूरा किया था।

यह मुकाबला विजय हजारे ट्रॉफी में खेला गया था। वहीं, ईशान किशन इस लिस्ट में पांचवें पायदान पर हैं, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में झारखंड के कप्तान के तौर पर महज 33 गेंदों में कर्नाटक के विरुद्ध शतक पूरा किया था।



यूएई के खिलाफ मुकाबले के दौरान वैभव ने सातवें ओवर की सभी गेंदों पर बाउंड्री लगाई। इस दौरान 6, 4, 4, 6, 6, 4 के साथ कुल 30 रन कूट दिए।इसके बाद वैभव ने महज 40 गेंदों में सबसे तेज 150 रनों का आंकड़ा छुआ। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वैभव ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले, उन्होंने साल 2025 में बिहार की तरफ से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 59 गेंदों में यह कारनामा किया था। इस लिस्ट में एबी डिविलियर्स तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 64 गेंदों (साउथ अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज, 2015) में ऐसा किया था।

### वैभव की रिकार्ड पारी में युवराज की बड़ी भूमिका

**नई दिल्ली ।** एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के दौरान मंगलवार को इंडिया ए की तरफ से खेलते हुए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐतिहासिक पारी खेली। यूएई ए के खिलाफ वैभव ने मात्र 53 गेंदों पर 28 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 204 रन की पारी खेली। इस दौरान वैभव ने 28 गेंदों पर शतक और 52 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया। वैभव द्वारा लगाया गया लिस्ट ए इतिहास का यह सबसे तेज शतक और दोहरा शतक है। वैभव ने इस ऐतिहासिक पारी को खेलने के बाद बीसीसीआई टीवी से बात करते हुए कहा कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से हुई आधे घंटे की बातचीत ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने कल सिर्फ चार लोगों से बात की। इसमें मेरे पिता, मेरे बचपन के कोच मनीष ओझा, मेरे अंडर-19 के दोस्त प्रथम जाचक और युवराज सिंह थे। युवराज सिंह से मैंने लगभग आधे घंटे तक बात की। उन्होंने मुझे मेरी बैटिंग के बारे में काफी कुछ समझाया। मैं काफी परेशान था।' उन्होंने कहा, 'मैं जब बैटिंग करने जाता था, तो मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं, उनके बारे में मैंने उनसे खुलकर बात की। उन्होंने मुझे सब कुछ बहुत अच्छे से समझाया। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 20 बॉल खेलता, तो स्कोर अलग होता। उन्होंने मुझे कुछ तकनीकी बातें भी समझाईं, जिससे मुझे बहुत मदद मिली।'

# आईसीसी टेस्ट रैंकिंग...ब्रुक और रूट की बादशाहत बरकरार



### भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा

**नई दिल्ली ।** आईसीसी ने टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग बुधवार को जारी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पहले, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को एक स्थान का घाटा हुआ है। हेड चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक स्थान की छलांग के साथ छठे और भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीन स्थान की छलांग के साथ सातवें स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह आठवें स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 5 स्थान की छलांग के साथ नौवें और अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह 2 स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं।



दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन 10 स्थान की छलांग के साथ 16वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 13 स्थान की छलांग लगाते हुए 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।शीर्ष 10 गेंदबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहले स्थान पर, भारत के जसप्रीत बुमराह तीन स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे, इंग्लैंड के ओली रॉबिनसन दो स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को दो-दो स्थान का नुकसान हुआ है। दोनों क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा दो स्थान की छलांग लगाते हुए छठे, दक्षिण अफ्रीका के सिमरोन हार्मर सातवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दो स्थान के नुकसान के साथ आठवें, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस नौवें और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर हैं।

### वॉर्नर ने भी कराया रजिस्ट्रेशन

# आईपीएल: नीलामी में दिखेगा 'जूनियर सहवाग' का जलवा!

**मुंबई, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बड़ी और रोमांचक खबर सामने आई है। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन यानी 2027 में एक बार फिर 'सहवाग' सरनेम की गूंज सुनाई दे सकती है। पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आखिरी बार साल 2015 में पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल खेला था। अब करीब 12 साल बाद उनके बेटे आर्यवीर सहवाग ने आईपीएल 2027 प्लेयर ऑक्शन की सूची में अपना नाम रजिस्टर कराकर फैंस की उम्मीदें जगा दी हैं। हालांकि, इस लिस्ट में एक चौंकाने वाला नाम गायब है। पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने इस साल नीलामी में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

### अंडर-19 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

आर्यवीर सहवाग ने अपने करियर में पहली बार आईपीएल ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। हाल ही में संपन्न हुए अंडर-19 एशिया कप 2026 में उनके धमाकेदार प्रदर्शन ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया था। दोहा में खेले गए रोमांचक फाइनल में भारत की अंडर-19 टीम ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर खिताब जीता था। इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी के लिए आर्यवीर को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था।

### गोवा में सजेगा बाजार, दांव पर होंगे 296 करोड़ रुपये

आईपीएल 2027 का प्लेयर ऑक्शन आगामी 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित किया जाएगा। नीलामी के लिए कुल 1220 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, इस सूची में 939 भारतीय और 17 देशों के 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, फ्रेंचाइजी के पास खर्च करने के लिए करीब 296 करोड़ रुपये का पर्स उपलब्ध होगा। युवा प्रतिभाओं के साथ-साथ दुनिया भर के कई दिग्गज क्रिकेटरों ने भी इस नीलामी के लिए अपना नाम भेजा है। हालांकि, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बाद अब 1220 खिलाड़ियों में से गिने चुने या यूं कहें 300 से 500 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट किए जाएंगे, जो 16 दिसंबर को होने वाले ऑक्शन में उतरेंगे।



### बेन स्टोक्स और डेविड वॉर्नर की 2 करोड़ के ब्रैकेट में वापसी

अंतरराष्ट्रीय सितारों की बात करें तो इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने 2 करोड़ रुपये के उच्चतम बेस प्राइस में खुद को रजिस्टर किया है। 35 वर्षीय स्टोक्स ने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और वह आखिरी बार 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्च्य) के लिए आईपीएल खेले थे। अब तक के अपने आईपीएल करियर में स्टोक्स ने राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स, राजस्थान रॉयल्स और सीएसके के लिए 45 मैचों में 935 रन बनाए हैं और 28 विकेट झटके हैं। भारतीय खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज आवेश खान और दीपक चाहर ने भी खुद को दो करोड़ के शीर्ष ब्रैकेट में रखा है।

ईशांत शर्मा और नीतीश राणा भी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची मेंनीलामी के लिए जारी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और बल्लेबाज नीतीश राणा के नाम भी शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं और आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव रखते हैं। आईपीएल के नियमों के मुताबिक, अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने पिछले पांच साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है तो उसे नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी की श्रेणी में रखा जाता है।इसी नियम के कारण ईशांत और नीतीश को अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। दोनों खिलाड़ियों का बेस प्राइस 50 लाख रुपये रखा गया है। इनके अलावा भारत के मनदीप सिंह, मयंक मार्कंडेय, नवदीप सैनी और चेतन सकारिया भी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।

### बोलैंड-रिचर्डसन ने कराया रजिस्ट्रेशन

आईपीएल 2027 की नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड और झाय रिचर्डसन ने भी अपना नाम दर्ज कराया है, हालांकि दोनों की उपलब्धता सीमित रहने वाली है। बोलैंड ने 2016 में आईपीएल के सिर्फ दो मैच खेले थे। उनका बेस प्राइस एक करोड़ रुपये है, लेकिन माना जा रहा है कि वह इस सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे। वहीं, रिचर्डसन को पंजाब किंग्स ने 2021 सीजन से पहले 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने अधिकतम दो करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। हालांकि, वह पूरे सीजन के बजाय सिर्फ आधे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगे। रिचर्डसन ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में खेल चुके हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज बेवॉन-जॉन जैकब्स ने भी नीलामी के लिए अपना नाम दिया है, लेकिन वह टूर्नामेंट के सिर्फ 10 प्रतिशत हिस्से के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स 80 प्रतिशत लीग के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं, मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2027 के लिए अपना नाम उपलब्ध नहीं कराया है। ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेविस हेड भी इस सीजन की नीलामी के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

### अन्य युवा सितारे भी ऑक्शन के मैदान में

आर्यवीर अकेले अंडर-19 स्टार नहीं हैं जो इस नीलामी का हिस्सा बनने जा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने भी ऑक्शन के लिए अपना नाम दिया है। इसके अलावा अंडर-19 टीम के अन्य प्रमुख खिलाड़ी काव्य पटेल और मनल चौहान भी नीलामी में उतरेंगे। इन सभी युवा भारतीय खिलाड़ियों का बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखा गया है। दूसरी तरफ, अंडर-19 टीम के कप्तान लक्ष्य रायचंदानी और अन्वय द्रविड़ ने खुद को इस ऑक्शन से अलग रखा है।

### शतरंज विश्व चैंपियनशिप



## समय के दबाव में भी डटे रहे गुकेश, सिंदारोव के साथ पहला मैच ड्रॉ, 38 चालों तक चली जंग

**जिनेवा।** विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2026 की शुरुआत भारतीय ग्रैंडमास्टर और मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने ड्रॉ के साथ की। चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में उन्होंने उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोक दिया। सफेद मोहरों से खेल रहे सिंदारोव के खिलाफ गुकेश ने काले मोहरों से मुकाबला किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला 38 चालों तक चला और तीन बार एक जैसी स्थिति बनने के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

मुकाबले में गुकेश ने रुई लोपेज-बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया। सिंदारोव इस ओपनिंग के लिए अच्छी तैयारी के साथ उतरे थे। उन्होंने तेजी से चालें चलीं और बर्लिन डिफेंस की एक अलग रणनीति अपनाई। उनकी तैयारी साल 2020 में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना और वेस्ली सो के बीच खेले गए मुकाबले पर आधारित थी, जिसमें कारुआना ने सफेद मोहरों से जीत हासिल की थी।

हालांकि, गुकेश ने अपनी चालों से मुकाबले को संतुलित बनाए रखने की कोशिश की। सिंदारोव की 13वीं चाल एनई4 के जवाब में गुकेश ने बीडी7 खेला। इसके बाद सिंदारोव ने 14वीं चाल में सी4 खेली, जिस पर गुकेश ने ए5 से जवाब दिया। मुकाबले के दौरान गुकेश को समय के दबाव का सामना करना पड़ा। 17वीं चाल पर सिंदारोव के बी3 खेलने के बाद गुकेश ने बीबी4 की चाल चली। इस चाल से उन्होंने डी2 पर मौजूद सफेद खिलाड़ी के रूक को निशाना बनाया। इस चाल को चलने में गुकेश ने करीब 36 मिनट लगाए।

इसके बाद 22वीं चाल पर सिंदारोव ने 20 मिनट सोचने के बाद एनई1 खेला। दोनों खिलाड़ियों के बीच इसके बाद कई मोहरों की अदला-बदली हुई। आखिरकार मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस दौरान सिंदारोव को गलत तरीके से ड्रॉ का दावा करने के कारण घड़ी पर समय का जुर्माना भी झेलना पड़ा।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com